जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 299 ● रायपुर, शनिवार 17 अक्टूबर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787

संक्षिप्त समाचार

रेलवे स्टेशन में 14.835 किलोग्राम चांदी के जेवरात और सिल्लियां बरामद हुईं

गया। बिहार के गया रेलवे जंक्शन पर आपराधिक गतिविधियों और अवैध तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत रेल पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर गश्त के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध यात्री को रोककर जब उसके भारी पिट्ठू बैग की तलाशी ली, तो उसमें से 14.835 किलोग्राम चांदी के जेवरात और सिल्लियां बरामद हुईं। जब्त की गई इस चांदी की अंतरराष्ट्रीय व घरेलू बाजार में कीमत करीब 36 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी यात्री को गिरफ्तार कर पूरे मामले की सूचना आयकर विभाग को दे दी है। रेल थाना प्रभारी बनारसी यादव के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन सतर्क' के तहत गया जंक्शन के सभी प्लेटफॉर्मों, यार्ड और सर्कुलेटिंग एरिया में सघन चेकिंग अभियान जारी था। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर एक युवक पीठ पर भारी बैग लादे तेज कदमों से स्टेशन से बाहर निकलने की फिराक में दिखा।

महिला पर लेटना और मुंह दबाना रेप का प्रयास नहीं : हाईकोर्ट

पटना। पटना हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील मामले में कानूनी व्याख्या करते हुए स्पष्ट किया है कि किसी महिला के ऊपर लेटकर उसका मुंह दबाना, जब तक कि शारीरिक संबंध बनाने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाने का साक्ष्य न हो, दुष्कर्म के प्रयास के दायरे में नहीं आता। न्यायमूर्ति संदीप कुमार की एकल पीठ ने बेगूसराय की निचली अदालत द्वारा 2013 में सुनाई गई दोषसिद्धि के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई करते हुए यह व्यवस्था दी। अदालत ने आरोपी की सजा में बदलाव करते हुए इसे आईपीसी की धारा 376/511 (दुष्कर्म का प्रयास) से हटाकर धारा 354 (महिला की लज्जा भंग करना) के तहत अपराध माना है। यह पूरा मामला फरवरी 2010 का है, जब बेगूसराय जिले में रात करीब 10 बजे मो. अनियुल हक नाम का व्यक्ति एक विधवा महिला के घर में जबरन दाखिल हो गया। महिला उस वक्त सो रही थी।

परिवार को ही प्रदेश मानने वालों की दुर्गति तय-सीएम योगी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माफिया की जगह सिर्फ मिट्टी में है। जिन जमीनों पर कभी माफिया का कब्जा था, वहां अब गरीबों की हवेलियां बनेंगी। प्रयागराज में माफिया के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर गरीबों, वंचितों और दलितों के लिए बहुमंजिला आवासीय इमारतों के निर्माण का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब माफिया नहीं, माफिया की जगह मिट्टी में है, अब गरीबों के लिए बड़ी-बड़ी हवेलियां बनेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार गरीबों के हितों के संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों के मानदेय में कटौती करने वालों को भी चेताया।

परिसीमन और महिला आरक्षण बिल लाने की योजना

माह के अंत में संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में सरकार

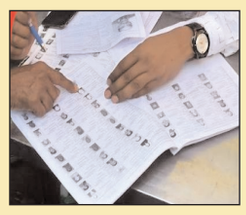
नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद के गलियारों में एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। केंद्र सरकार इसी माह के अंत में संसद का विशेष सत्र बुलाकर लंबित संवैधानिक सुधारों को आगे बढ़ाने का खाका तैयार कर रही है। इस सत्र का मुख्य फोकस लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने तथा परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने पर होगा। राजनीतिक हलकों में यह कदम रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित जरूर हुआ था, लेकिन दोनों सदनों का औपचारिक सत्रावसान अभी तक नहीं किया गया है। संवैधानिक नियमों के तहत सत्रावसान न होने के कारण सरकार को नया सत्र बुलाए बिना उसी सत्र की विशेष बैठकें आयोजित करने का सीधा अधिकार प्राप्त है। संसदीय कार्य मंत्रालय फिलहाल तारीखों और विधायी कामकाज की रूपरेखा को अंतिम रूप देने में जुटा है। इससे पहले इसी वर्ष बजट सत्र के दौरान 17 अप्रैल को परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में जरूरी समर्थन न मिल पाने के कारण गिर गया था। सरकार अब किसी भी जोखिम से बचने के



लिए पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक, वर्तमान में सरकार के पास निचले सदन में विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद है और वह इस बार इसे हर हाल में कानूनी जामा पहनाने के लिए प्रतिबद्ध है। संख्या बल को और मजबूत करने के लिए सरकार ने तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डीएमके से संपर्क साधा है। तमिलनाडु चुनावों के बाद डीएमके के कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन से अलग होने के बाद नए सियासी समीकरण बने हैं, जिसका लाभ उठाने की कोशिश में सरकार जुटी है। इसके अलावा कुछ अन्य निर्दलीय और छोटे क्षेत्रीय दलों से भी फ्लोर मैनेजमेंट के तहत बातचीत की जा रही है ताकि मतदान के दौरान दो-तिहाई बहुमत आसानी से सुनिश्चित हो सके।देसी उत्पाद खोजें विशेष सत्र की संभावित तारीखें तय करते समय 26 और 27 अक्टूबर को संविधान सदन में आयोजित होने वाले 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच के कार्यक्रम का भी ध्यान रखा जा रहा है। संभावना है कि बैठक बुलाने से पूर्व सांसदों को करीब एक हफ्ते का आधिकारिक नोटिस दिया जाएगा। यह पूरी कवायद ऐसे समय हो रही है जब विपक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मसले पर सरकार की घेराबंदी करने में जुटा हुआ है।

देशभर में मतदाता सूची से क्यों कटे नाम? घर-घर जाकर बताएगी भाजपा; कांग्रेस के आरोपों का भाजपा देगी करारा जवाब



देशभर में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर छिड़े सियासी घमासान के बीच भाजपा ने अब सीधे जनता की अदालत में जाने का फैसला किया है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा मतदाता सूची से नाम काटे जाने के लगाए जा रहे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पार्टी ने आक्रामक रुख अपनाया है। इस प्रस्तावित अभियान का मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को सामने रखना और एसआईआर के तकनीकी व वैधानिक पहलुओं से आम मतदाताओं को अवगत कराना है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत पार्टी अपने सभी जन प्रतिनिधियों और प्रमुख नेताओं को सीधे मैदान में उतारने की तैयारी में है। पार्टी के सांसदों, विधायकों और प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर जनसंपर्क साधने का जिम्मा सौंपा जाएगा। ये नेता जनता के बीच जाकर बताएंगे कि किन संवैधानिक और कानूनी प्रक्रियाओं के तहत मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण और अद्यतनीकरण किया जाता है।

विपक्ष पर बरसे राजनाथ सिंह

युवाओं को अराजकता का मोहरा बनाया जा रहा.....



नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को विपक्ष और इंडिया ब्लॉक पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोध के नाम पर युवाओं को अराजकता की ओर धकेलने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक हितों के लिए देश की संवैधानिक संस्थाओं की बलि नहीं दी जा सकती। राजनाथ सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जनादेश का सम्मान करने और अपनी राजनीतिक भूमिका पर आत्मचिंतन करने की अपील भी की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजनाथ सिंह ने कहा कि झूठा आक्रोश दिखाकर और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करके देश की विकास यात्रा को प्रभावित नहीं किया जा सकता। उनके मुताबिक, राजनीतिक अवसरवाद के जरिए संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना उचित नहीं है। रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी का नाम लेते हुए कहा कि उन्हें बाधा डालने वाली राजनीति करने के बजाय जनादेश का सम्मान करना चाहिए।



तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने चेन्नई के लोक भवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की।

दो दिन बीजेपी की मैराथन बैठके

25 अक्टूबर को रायपुर आ रही स्मृति ईरानी....



रायपुर। छत्तीसगढ़ की सियासत में 25 अक्टूबर से भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक स्तर पर हलचल तेज होने के संकेत हैं। बीजेपी की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी दो दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचेंगी। उनके प्रवास के दौरान राजधानी स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में लगातार दो दिनों तक मैराथन बैठकों का दौर चलेगा। इन बैठकों में प्रदेश सरकार के कामकाज, संगठन की गतिविधियों और आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर चर्चा होने की संभावना है। इस दौरे को पार्टी के संगठनात्मक लिहाज से अहम माना जा रहा है। बैठकों में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा सहित प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद और विधायक शामिल होंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में संगठन और सरकार के बीच समन्वय, जनहित से जुड़े मुद्दों तथा पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार-विमर्श हो सकता है।

बस्तर में पहली बार लालबाग मैदान में सजेगा मुरिया दरबार

22-23 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक परंपराओं और बस्तर की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने की तैयारी है। विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा के दौरान इस बार मुरिया दरबार का आयोजन जगदलपुर के लालबाग मैदान में किया जाएगा। 23 अक्टूबर को होने वाले इस आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी इसे विशेष महत्व देगी। दशकों से चली आ रही परंपरा में आयोजन स्थल का यह बदलाव अपने आप में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा



है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 22 और 23 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विशेष आमंत्रण पर उनका बस्तर पहुंचना प्रस्तावित है। राष्ट्रपति की मौजूदगी में आयोजित होने वाले मुरिया दरबार के जरिए बस्तर की समृद्ध जनजातीय विरासत, सांस्कृतिक परंपराओं और स्थानीय समाज की ऐतिहासिक भूमिका को व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है। बस्तर दशहरा केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुरिया दरबार को जनजातीय समाज और स्थानीय शासन व्यवस्था के बीच संवाद की ऐतिहासिक परंपरा से जोड़कर देखा जाता है। इस मंच पर बस्तर के लोगों की समस्याओं, अपेक्षाओं और क्षेत्र से जुड़े विषयों को सामने रखने की परंपरा रही है।

पानी की बोतल पर 2 रुपए ज्यादा वसूलना रेस्टोरेंट को पड़ा भारी

अलीगढ़। अगर कोई रेस्टोरेंट या दुकानदार आपसे एमआरपी से ज्यादा पैसे वसूलता है, तो यह खबर आपके लिए बेहद अहम है। उत्तर प्रदेश के हाथरस स्थित एक रेस्टोरेंट को पानी की बोतल पर महज 2 रुपये अतिरिक्त वसूलना भारी पड़ गया। अलीगढ़ जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने इसे अनुचित व्यापार व्यवहार अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस मानते हुए रेस्टोरेंट पर 1 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही पीड़ित ग्राहक को मानसिक उत्पीड़न और कानूनी खर्च के रूप में मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। मामला 11 मार्च 2026 का है, जब अलीगढ़ निवासी एक ग्राहक हाथरस के संबंधित रेस्टोरेंट में खाना खाने गए थे।

सीजेपी का लहरा दो तिरंगा मार्च

घर से निकलते ही दीपके को पुलिस ने हिरासत में लिया....

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दीपके को शुक्रवार को 'लहरा दो तिरंगा' मार्च से ठीक पहले पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में प्रस्तावित इस प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस पहले ही अलर्ट थी। पुलिस ने दीपके को नोटिस देकर चेतावनी दी थी कि बिना अनुमति मार्च निकालने या भीड़ जुटाने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। इस पूरे विवाद के केंद्र में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और विरोध प्रदर्शन की अनुमति का



मुद्दा है। पुलिस के मुताबिक, कनॉट प्लेस के आसपास निषेधाज्ञा लागू है और नई दिल्ली नगर परिषद ने प्रस्तावित तिरंगा यात्रा को मंजूरी नहीं दी थी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि तिरंगा फहराना अपने आप में गैरकानूनी नहीं है, लेकिन लागू प्रतिबंधों के बावजूद बिना अनुमति मार्च निकालना कार्रवाई की वजह बन सकता है। दीपके को एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार हिरासत में लिया गया है। इससे पहले, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञान कुमार के खिलाफ प्रस्तावित प्रदर्शन के सिलसिले में मुंबई से दिल्ली पहुंचने पर भी उन्हें हिरासत में लिया गया था। वह प्रदर्शन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान कथित अनियमितताओं के आरोपों से जुड़ा था। सीजेपी के ताजा मार्च की एक वजह पार्टी के सदस्यों सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी भी बताई जा रही है।

मेरठ सांप कांड- पति की हत्या को हादसा दिखाने की रची थी साजिश

कोर्ट ने पत्नी रविता और प्रेमी अमरदीप को सुनाई फांसी की सजा

मेरठ/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मेरठ में चर्चित सांप कांड में जिला अदालत ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाते हुए अमित कश्यप की हत्या के दोषी उसकी पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को फांसी की सजा सुनाई। करीब 17 महीने तक चले मुकदमे के बाद अदालत ने 7 अक्टूबर को दोनों को हत्या का दोषी ठहराया था। शुक्रवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने दोनों को मृत्युदंड दिया। सजा सुनाते हुए अदालत ने अपराध की गंभीरता का उल्लेख किया। फैसले में पत्नी और पति के रिश्ते से जुड़े सांस्कृतिक और पौराणिक संदर्भों का भी जिक्र किया गया। अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि पति की हत्या कर उसे सांप के काटने से हुई मौत दिखाने की कोशिश की गई थी। अदालत ने मामले के तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर दोषियों को कड़ी सजा सुनाई। सुनवाई के दौरान जिला शासकीय अधिवक्ता के.के. चौबे ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषियों के लिए अधिकतम सजा की मांग की। अभियोजन पक्ष ने अमरोहा के चर्चित शबनम हत्याकांड का हवाला देते हुए कहा कि इस मामले में भी हत्या को सामान्य घटना का रूप देने और जांच को गुमराह करने की कोशिश की गई थी। अभियोजन पक्ष के



मुताबिक, अमित की हत्या के बाद घटनास्थल पर सांप मिलने से शुरुआत में मामला सर्पदंश का लग रहा था। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों ने मामले की दिशा बदल दी। यह घटना 12 अप्रैल 2025 की है। उस दिन अमित कश्यप का शव उसके घर में मिला था। शव के नीचे जिंदा सांप मिलने के कारण शुरुआती तौर पर परिजनों और ग्रामीणों को लगा कि उसकी मौत सांप के काटने से हुई है। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि अमित की मौत सर्पदंश से नहीं, बल्कि मुंह और नाक दबाकर दम घोंटने के कारण हुई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच आगे बढ़ाई। जांच में पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप की भूमिका सामने आई। अभियोजन पक्ष ने अदालत में साक्ष्यों के आधार पर दोनों के खिलाफ हत्या की साजिश रचने का मामला पेश किया। दोनों दोषियों को जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया। फैसला सुनाए जाने के बाद मृतक अमित कश्यप के परिजनों ने संतोष जताया। अमित की मां ने कहा कि अदालत के फैसले से उन्हें न्याय मिलने का एहसास हुआ है। इस मामले में जिला अदालत द्वारा सुनाई गई मृत्युदंड की सजा के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण होगी।

झूला बना मौत का फंदा: स्कूल परिसर में पेड़ से बने झूले में फंसने से छात्र की मौत, गांव में पसरा मातम

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के बसना थाना क्षेत्र के मुड़ीडीह गांव से बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां शासकीय प्राथमिक शाला परिसर में खेल-खेल में हुए हादसे में चौथी कक्षा के छात्र की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मृतक छात्र की पहचान तरुण चौहान के रूप में हुई है, जो प्राथमिक शाला मुड़ीडीह में कक्षा चौथी में पढ़ता था। बताया जा रहा है कि रोज की तरह बच्चे स्कूल खुलने से पहले स्कूल परिसर में पहुंचकर खेल रहे थे। स्कूल प्रांगण में लगे पेड़ पर बच्चों ने ही साड़ियों को



बांधकर एक झूला बना रखा था। तरुण अपने 8-9 अन्य साथियों के साथ उसी झूले पर पेड़ पर चढ़कर झूल रहा था। झूलने के दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिरने लगा, तभी साड़ी से बना झूला उसके गले में फंस गया। गले में फंदा लगने से वह वहीं झूल गया। बच्चों ने शोर मचाया तब तक उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। इस पूरे मामले पर भंवरपुर चौकी प्रभारी अंजना चंद्रा ने बताया कि, स्कूल करीब 10:00 बजे खुलता है, लेकिन 9:30 बजे ही रोज की भांति बच्चे स्कूल में आकर खेलने लगते हैं। आज भी स्कूल की सहायिका 9:30 बजे स्कूल खोलकर चली गई थी, तब तक कोई भी टीचर स्कूल नहीं पहुंचा था। इसी दरमियान स्कूल प्रांगण में बच्चों ने मौजूद पेड़ पर साड़ियों का एक झूला बनाया हुआ था।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में सख्ती, लंबित डिजिटल कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश

अपार आईडी से लेकर यू-डाइस प्लस तक की हुई समीक्षा, शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने पर जोर

रोहित यादव / बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर जिले में विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत बनाने और विभागीय कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने समीक्षा बैठक आयोजित की। जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के निर्देश पर विकासखंड बलरामपुर के समस्त पूर्व माध्यमिक शालाओं के प्रधान पाठकों एवं संकुल समन्वयकों की बैठक में शैक्षणिक गतिविधियों, डिजिटल कार्यों और विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा कर निर्धारित समय-सीमा में जानकारी अपडेट करने के निर्देश दिए।

शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने पर विशेष जोर- बैठक में जिला मिशन समन्वयक चंद्रभूषण गुप्ता ने मिशन आचार्य, रीडिंग कॉर्नर और क्विज प्रतियोगिता सहित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने विद्यालयों में पढ़ाई के स्तर को बेहतर बनाने, विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने और सभी



निर्धारित गतिविधियों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

डिजिटल रिकॉर्ड और पोर्टल अपडेट की समीक्षा- बैठक में अपार आईडी निर्माण, एमबीयू प्रोग्रेशन तथा यू-डाइस प्लस पोर्टल पर विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यालयों की प्रोफाइल अपडेट करने की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही प्रशस्त एप पर शिक्षकों के पंजीयन की प्रगति की जानकारी भी ली गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विभागीय योजनाओं से जुड़े डिजिटल कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करना प्राथमिकता होनी चाहिए।

लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश- समीक्षा बैठक में प्रधान पाठकों और संकुल समन्वयकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने विद्यालयों से संबंधित लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें तथा पोर्टल और एप पर आवश्यक जानकारियां समय पर अपडेट करें। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और डिजिटल कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करना रहा।

इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी संजू कनौजिया, बीआरसी सुरेश सिंह, जिला प्रोग्रामर विजय कुशवाहा, राजेश गुप्ता सहित विकासखंड के सभी संकुल समन्वयक एवं प्रधान पाठक उपस्थित रहे।

विभाग का नाम बदलने के फैसले का आदिवासी कांग्रेस ने किया विरोध, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

आदिम जाति विकास विभाग का नाम पूर्ववत रखने की मांग, आदिवासी अस्मिता और पहचान का मुद्दा उठाया

जनता के गोठ/ओंकार साहू बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आदिम जाति विकास विभाग का नाम बदलकर जनजातीय कार्य विभाग किए जाने के निर्णय के विरोध में आदिवासी कांग्रेस, जिला बलौदाबाजार के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने शासन के इस फैसले पर असंतोष जताते हुए विभाग का नाम पूर्ववत रखने की मांग की है।

आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष डॉ. विशाल ध्रुव खुसरो ने कहा कि आदिवासी शब्द समाज की संस्कृति, इतिहास, पहचान और अधिकारों से जुड़ा हुआ है। उनके अनुसार, विभाग के नाम से आदिवासी शब्द हटाने का निर्णय समाज की अस्मिता पर प्रभाव डालने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और आदिवासी समाज इस निर्णय का विरोध करते हैं तथा सरकार को इस पर पुनर्विचार कर इसे वापस लेना चाहिए।

डॉ. ध्रुव ने कहा कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आज भी सड़क, पुल-पुलिया, बिजली, बेहतर शिक्षा, पेयजल, स्वास्थ्य



सुविधाओं और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि इन समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने के बजाय विभाग का नाम बदलने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई।

आदिवासी पहचान और संस्कृति से जुड़ा है विभाग का नाम- आदिवासी कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष कृष्णा कुंजाम ने कहा कि आदिम जाति शब्द केवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की वर्षों पुरानी संस्कृति, मान-सम्मान, पहचान और परंपराओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार करने और समाज की भावनाओं का सम्मान करने की मांग की।

ज्ञापन के माध्यम से आदिवासी कांग्रेस के पदाधिकारियों ने शासन से विभाग का नाम पूर्ववत रखने तथा आदिवासी समाज से जुड़े मूलभूत विकास के मुद्दों पर प्राथमिकता से कार्य करने की मांग की।

ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उप मुख्यमंत्री ने किया आत्मीय संवाद, 74.80 लाख के विकास कार्यों की दी सौगात

छत्तीसगढ़ सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही- उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

सड़क की खराब स्थिति पर तत्काल लिया संज्ञान, अधिकारी को फोन कर सड़क उखाड़कर दोबारा बनाने के दिए निर्देश

कबीर कुटी, सामाजिक भवन, नवधा मंच, सीसी सड़क और मुक्तिधाम निर्माण के लिए की घोषणा

कवर्धा, जनता के गोठ/ महबूब खान,ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी बातें सुनना, उनकी परेशानियों को समझना और गांव की जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों की घोषणा करना। उप मुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा का यही सहज अंदाज ग्राम बंदौरा और ठकुराइनटोला में आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रमों के दौरान



देखने को मिला। उन्होंने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी मांगे और समस्याएं सुनीं और गांव के विकास से जुड़ी मांगों पर गंभीरता से चर्चा की। इस दौरान गांव वाले की मांग पर विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 74.80 लाख रुपये की घोषणाएं कीं। वहीं, बंदौरा में सड़क की खराब स्थिति की शिकायत सामने आने पर संबंधित अधिकारी को फोन कर सड़क उखाड़कर दोबारा बनाने के निर्देश दिए।

ग्रामवासियों की मांगों पर विकास कार्यों की मिली सौगात

ग्राम बंदौरा में उप मुख्यमंत्री शर्मा ने वार्ड क्रमांक 10 में कबीर कुटी निर्माण के लिए 10 लाख रुपये, सामाजिक भवन के लिए 10 लाख रुपये और नवधा मंच निर्माण के लिए 3 लाख रुपये की घोषणा की। इसके अलावा मुक्तिधाम में शेड निर्माण तथा गांव में शेड निर्माण के लिए 18 लाख रुपये देने की घोषणा की। ग्राम ठकुराइनटोला में 7.80 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क, 10 लाख रुपये की लागत से सामाजिक भवन और मुक्तिधाम के लिए 6 लाख रुपये की घोषणा की गई। वहीं, ग्राम नयापारा पंचायत में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। इन कार्यों से ग्रामीणों को सामाजिक और सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

सड़क की परेशानी बताई तो तत्काल अधिकारी को फोन कर सुधारने के दिए निर्देश

ग्राम बंदौरा में ग्रामीणों ने सड़क की खराब स्थिति की समस्या उप मुख्यमंत्री के सामने रखी। ग्रामीणों की शिकायत सुनने के बाद शर्मा ने संबंधित अधिकारी से फोन पर बात की और खराब सड़क को उखाड़कर दोबारा बनाने के निर्देश दिए।

गांवों के विकास के लिए लगातार हो रहे कार्य

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार गांवों के समग्र विकास और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, धार्मिक पर्यटन और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर विभिन्न विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कवर्धा में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हो चुका है और इसके भवन का निर्माण किया जा रहा है। शहर में यातायात सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए बिलासपुर रोड और रायपुर रोड से शहर में प्रवेश करने वाले मार्गों पर 54 करोड़ रुपये की लागत से फेरलेन सड़क का निर्माण कराया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भोरमदेव मंदिर के विकास के लिए 146 करोड़ रुपये कार्य किए जा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के 85 हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में डिजिटल शिक्षा की सुविधा विकसित की जा रही है। इनमें से 50 स्कूलों में डिजिटल बोर्ड लगाए जा चुके हैं और शेष 35 स्कूलों में भी इन्हें लगाने की योजना है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रयासरत है। राज्य में गन्ने का मूल्य बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। उन्होंने बताया कि गांव-गांव में महतारी सदन बनाने का काम भी आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

परीक्षा परिणाम में कम अंक मिलने पर छात्रों में आक्रोश, पुनर्मूल्यांकन की मांग

पाटन।(जनता के गोठ) पाटन महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा परिणाम में एक ही विषय में 5 अंक से भी कम नंबर मिलने पर नाराजगी जताते हुए छात्र नेता युवराज साहू के नेतृत्व में दुर्ग विश्वविद्यालय के कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा। विद्यार्थियों का दावा है कि लगभग 90 से 95 प्रतिशत छात्रों को संबंधित विषय में बेहद कम अंक मिले हैं।

छात्रों ने परीक्षा परिणाम की निष्पक्ष जांच कराने और उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन करने की मांग की। छात्र नेता युवराज साहू ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा यह गंभीर मामला है। विश्वविद्यालय प्रशासन को मामले



की जांच कर विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान करना चाहिए, ताकि किसी के साथ अन्याय न हो। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह की अचानक बिगड़ी तबीयत : जिला अस्पताल के ढृष्ट में भर्ती , प्रशासनिक महकमे में हलचल

दुर्ग जिले के मुखिया का शासकीय अस्पताल में भर्ती होना, इस लिहाज से शासकीय अस्पतालों की स्थिति में सुधार

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ। दुर्ग - दुर्ग जिले के कलेक्टर अभिजीत सिंह की तबीयत अचानक खराब होने के बाद उन्हें जिला अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई (ICU) में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार, वे गैस्ट्रोएंटेराइटिस यानी आंतों में संक्रमण से पीड़ित हैं। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कलेक्टर अभिजीत सिंह गुरूवार दोपहर करीब 3:30 बजे जिला अस्पताल पहुंचे। यहां सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिंज ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए



बताया कि गैस्ट्रोएंटेराइटिस से पीड़ित होने के कारण उन्हें ढृष्ट में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

धर्मपत्नी * अस्पताल में मौजूद , अधिकारियों ने ली स्वास्थ्य की जानकारी

कलेक्टर की तबीयत खराब होने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारियों में हलचल बढ़ गई। उनके स्वास्थ्य का हाल जानने के लिए प्रशासनिक अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचने लगे। दुर्ग संभागायुक्त एसएन राठौर सहित अन्य अधिकारियों ने भी अस्पताल पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

इस दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह की पत्नी भी अस्पताल में मौजूद रहीं। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है।

जिले के प्रशासनिक मुखिया के अचानक अस्पताल में भर्ती होने की खबर सामने आने के बाद उनके स्वास्थ्य को लेकर लोगों में चिंता है। फ्लिहाल अस्पताल में उनका इलाज जारी है। उनके स्वास्थ्य में सुधार और आगे की स्थिति को लेकर चिकित्सकीय जानकारी का इंतजार है।

कलाम जयंती पर विद्यार्थियों ने रोबोटिक्स तकनीक को समझा, नवाचार के लिए बढ़ाए कदम

कमल खुंटे/जनता के गोठ

बिर्रा। विकासखंड जैजैपुर अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय झालरौंदा में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों को रोबोटिक्स एवं आधुनिक तकनीक की जानकारी दी गई। इस अवसर पर शिक्षक महेन्द्र कुमार चन्द्रा के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने विद्यालय की रोबोटिक्स लैब में विभिन्न तकनीकी उपकरणों और उनके उपयोग के बारे में सीखा।

गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों ने सेंसर, आर्डुइनो ऊनो, मोटर ड्राइवर सहित रोबोट निर्माण में उपयोग होने वाले विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कार्यप्रणाली को समझा। उन्हें बताया गया कि इन उपकरणों की सहायता से स्वचालित रोबोट एवं उपयोगी तकनीकी मॉडल तैयार किए जा सकते हैं। शिक्षक महेन्द्र कुमार चन्द्रा ने बताया कि वर्तमान समय विज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है। ऐसे में विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव



प्रदान करना आवश्यक है, ताकि उनमें वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता, समस्या समाधान तथा नवाचार की क्षमता विकसित हो सके। इसी उद्देश्य से विद्यालय में स्वयं के प्रयासों से रोबोटिक्स लैब विकसित की गई है, जहाँ विद्यार्थी प्रयोगों के माध्यम से सीख रहे हैं।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को डॉ. कलाम के संघर्षपूर्ण जीवन, उनकी मेहनत, वैज्ञानिक उपलब्धियों तथा देश के विकास में उनके योगदान के बारे में भी विस्तार से बताया गया। उन्हें प्रेरित किया गया कि वे डॉ. कलाम के सपनों से प्रेरणा लेकर बड़े लक्ष्य निर्धारित करें और अपने ज्ञान एवं कौशल से समाज तथा राष्ट्र के विकास में योगदान दें। विद्यालय में आयोजित यह गतिविधि विद्यार्थियों में विज्ञान एवं तकनीक के प्रति रुचि विकसित करने तथा उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक सार्थक पहल है।

खनिज संसाधनों के व्यवस्थित विकास से बदलेगी कबीरधाम की आर्थिक तस्वीर

बॉक्साइट के चार और चूना पत्थर के दो संभावित खनिज ब्लॉकों का चिन्हांकन

भविष्य में खनिज राजस्व बढ़ने और स्थानीय रोजगार के अवसर होंगे सृजित

कवर्धा, जनता के गोठ/ महबूब खान। प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग किसी भी जिले की आर्थिक प्रगति को नई दिशा दे सकता है। कबीरधाम जिले में बॉक्साइट एवं चूना पत्थर के छह संभावित खनिज ब्लॉकों का चिन्हांकन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। खनिज क्षेत्रों की पहचान से जिले में उपलब्ध खनिज संपदा के वैज्ञानिक, पारदर्शी एवं पर्यावरण अनुकूल विकास की संभावनाएं बढ़ी हैं। इन संसाधनों का नियमानुसार विकास भविष्य में शासन के खनिज राजस्व में वृद्धि, स्थानीय रोजगार के अवसरों के विस्तार और जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में सहायक बन सकता है।

छह संभावित खनिज ब्लॉकों से विकास की नई उम्मीद

कबीरधाम जिले में खनिज विभाग द्वारा बॉक्साइट के चार





संभावित ब्लॉकों सेंदुरखार, सरायपानी, चंद्रादार एवं बनगौरा का चिन्हांकन किया गया है। वहीं, चूना पत्थर के दो संभावित ब्लॉक भिखुरिया-चांटा तथा बिरूटोला-नवापारा-सोहागपुर चिन्हांकित किए गए हैं। इन क्षेत्रों की पहचान से जिले में खनिज संसाधनों के नियोजित उपयोग की संभावनाएं सामने आई हैं। आगे की नियमानुसार प्रक्रिया और आवश्यक अनुमतियों के आधार पर इन खनिज क्षेत्रों का विकास जिले की आर्थिक गतिविधियों को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

खनिज राजस्व के साथ स्थानीय रोजगार को मिलेगा प्रोत्साहन संभावित खनिज ब्लॉकों का नियमानुसार विकास होने पर खनन से जुड़ी गतिविधियों के साथ परिवहन, श्रमिक सेवाओं, मशीनरी संचालन और अन्य सहायक व्यवसायों के विस्तार की संभावनाएं बन सकती हैं। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर विकसित होने की उम्मीद है। खनिज आधारित आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि से जिले में व्यापारिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिल सकता है। साथ ही, खनिज क्षेत्रों के व्यवस्थित संचालन से शासन को राजस्व प्राप्ति के नए अवसर उपलब्ध हो सकते हैं, जो विकास कार्यों के लिए आर्थिक संसाधन बढ़ाने में सहायक होंगे।

वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल खनन पर जोर- खनिज संसाधनों का विकास तभी सार्थक होगा, जब उनका उपयोग निर्धारित नियमों, पर्यावरणीय मानकों और पारदर्शी प्रक्रियाओं के अनुरूप किया जाए। संभावित खनिज क्षेत्रों के विकास में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय हितों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। वैज्ञानिक तरीके से खनन और नियमानुसार संचालन से संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है।

संसाधनों के बेहतर उपयोग से जिले की अर्थव्यवस्था को नई दिशा- कबीरधाम जिले में छह संभावित खनिज ब्लॉकों का चिन्हांकन खनिज संपदा के बेहतर उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इन क्षेत्रों का नियमानुसार विकास भविष्य में खनिज राजस्व बढ़ाने, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को प्रोत्साहित करने और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का आधार बन सकता है। इस प्रकार, खनिज संसाधनों की पहचान से लेकर उनके वैज्ञानिक एवं सतत विकास तक के प्रयास जिले की आर्थिक प्रगति के लिए नई संभावनाएं खोल सकते हैं।

पांचवीं अनुसूची और पेशा कानून का हवाला देकर उठाए संवैधानिक अधिकारों के सवाल

बस्तर में यूसीसी लागू करने का विरोध, आदिवासी समाज ने की दायरे से बाहर रखने की मांग

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर परिसर के प्रेरणा हॉल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर आयोजित परिचयात्मक बैठक में आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने विरोध जताते हुए छत्तीसगढ़ की अनुसूचित जनजातियों को इसके दायरे से बाहर रखने की मांग की। बैठक में विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे विषयों पर चर्चा की गई।



बैठक की शुरुआत में ही समाज प्रमुखों ने सभी संबंधित आदिवासी समाजों को सूचना नहीं देने पर जिला प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बस्तर के मूलनिवासी समाजों से जुड़े संवेदनशील विषय पर चर्चा से पहले सभी समाजों और प्रतिनिधियों को विश्वास में लेना आवश्यक है

सर्व आदिवासी समाज, बस्तर संभाग के अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने कहा कि आदिवासी समुदायों की सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक व्यवस्थाएं पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं पर आधारित हैं। ऐसे में उनकी सहमति और संवैधानिक अधिकारों को नजरअंदाज कर कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए।

बैठक में प्रतिनिधियों ने संविधान की पांचवीं अनुसूची, पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम यानी पेशा कानून तथा वनाधिकार अधिनियम का उल्लेख करते हुए आदिवासियों की परंपराओं, संस्कृति और जल-जंगल-जमीन से जुड़े अधिकारों के संरक्षण पर जोर दिया समाज प्रतिनिधियों ने मांग की कि यूसीसी पर व्यापक जनसंवाद कराया जाए और सभी संबंधित संगठनों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था और संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी होने पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाएगा बैठक में प्रकाश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम, हिडमो मंडावी, गांग नाग, पप्पू नाग, बसंत कश्यप, संतु मौर्य, बंगा राम सोढ़ी सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पाटन में वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस की बाइक रैली एवं विरोध प्रदर्शन

पाटन(।जनता के गोठ) राष्ट्रव्यापी ÷वोट बचाओङ्कदेश बचाओ÷ अभियान के तहत लोकतंत्र एवं मताधिकार की रक्षा की मांग को लेकर आज 16 अक्टूबर 2026, शुक्रवार को पाटन में कांग्रेस द्वारा बाइक रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। बाइक रैली राजीव (कांग्रेस) भवन पाटन से प्रारंभ होकर स्छरू कार्यालय पाटन पहुंची, जहां कांग्रेसजनों ने केंद्र की मोदी सरकार एवं निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली के विरोध में पुतला दहन एवं विरोध प्रदर्शन किया।



कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर विशेष रूप से शामिल हुए।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन एवं जामगांव (आर), नगर कांग्रेस कमेटी, मंडल एवं सेक्टर अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष सहित किसान कांग्रेस, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस, एनएसयूआई, सोशल मीडिया विभाग एवं अन्य प्रकोष्ठों के कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली में सहभागिता की।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष चुनाव और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से देशभर में ÷वोट बचाओङ्कदेश बचाओ÷ अभियान चलाया जा रहा है।

महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ ने नए नोट सिक्के की मांग रिजर्व बैंक स्टेट बैंक ऑफ़इंडिया रायपुर से की

रायपुर/जनता के गोठ। महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ के अध्यक्ष विमल बाफना के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया रायपुर शाखा एवं स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया मुख्य कार्यालय में क्षेत्रीय प्रबंधक आदर्श श्रीवास्तव संजीव मीणा से मिलकर त्योहारी सीजन नवरात्रि दशहरा धनतेरस दीपावली पूजा को देखते हुए मार्केट में चिल्लर की समस्याओं से परेशान व्यापारियों के लिए 5 10 20 के सिक्के एवं दीपावली त्यौहार को देखते हुए नए नोट करेंसी नोट उपलब्ध कराए जाने की मांग की । आदर्श श्रीवास्तव क्षेत्रीय प्रबंधक को पुष्प गुच्छ देकर उन्हें शुभकामनाएं भी दी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सिक्के एवं नए नोट पर्याप्त मात्रा में बाजार में उपलब्ध कराए जाने की मांग की



जिस पर क्षेत्रीय प्रबंधक ने शीघ्र कॉइन सिक्का मेला लगाने हेतु निर्देश दिया जिससे व्यापारियों को चिल्लर की समस्या परेशानी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े बाजार में लेनदेन सुगम और सरल होगा व्यापारी संघ के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में चिल्लर नए नोट की व्यवस्था उपलब्ध कराया जाए। महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ की ओर से प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष विमल बाफना राम चौरसिया विनोद जोशी विवेक गर्ग नरेश सुराणा शामिल थे।

आरएडब्ल्यूई विद्यार्थियों ने खेत में मृदा नमूना संग्रहण का किया प्रदर्शन

रायपुर। ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (आरएडब्ल्यूई) कार्यक्रम के अंतर्गत चतुर्थ वर्ष के कृषि विद्यार्थियों ने 13 अक्टूबर को खेत में मृदा नमूना संग्रहण की वैज्ञानिक विधि का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने किसानों को मिट्टी का नमूना लेने की सही प्रक्रिया समझाई और मृदा परीक्षण के महत्व के साथ फसल उत्पादन में इसकी उपयोगिता की जानकारी दी।

प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने सबसे पहले खेत के विभिन्न स्थानों से खरपतवार, कंकड़ और फसल अवशेष हटाए। इसके बाद लगभग 0 से 15 सेंटीमीटर की गहराई से मिट्टी के नमूने एकत्र किए। सभी नमूनों को अच्छी तरह मिलाकर एक प्रतिनिधि नमूना तैयार किया गया। इसके बाद नमूने को साफ थैली में भरकर उस पर कृषक का नाम, खेत का विवरण, फसल का नाम और नमूना संग्रहण की तिथि अंकित करने की प्रक्रिया बताई गई। विद्यार्थियों ने बताया कि मृदा परीक्षण से मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों, पीएच मान और अन्य आवश्यक गुणों की जानकारी मिलती है। इसके आधार पर फसल की जरूरत के अनुसार उर्वरकों की सही मात्रा निर्धारित की जा सकती है। संतुलित उर्वरक उपयोग से किसानों के अनावश्यक खर्च में कमी आती है।

नवरात्रि पर्व के शुभ अवसर पर धूमधाम से मनाया गया गरबा महोत्सव

संदीप मिश्रा की खबर

पाटन - (जनता के गोठ) मां आदि शक्ति गरबा ग्रुप के तत्वावधान में देवांगन भवन पाटन में एक दिवसीय गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया था सर्वप्रथम माँ दुर्गा के पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की मां आदि शक्ति गरबा ग्रुप के द्वारा यह द्वितीय वर्ष था आयोजनकर्ताओं ने बताया कि गरबा का आयोजन शारदीय नवरात्रि के उपलक्ष्य में हर साल किया जाता है जो बड़ी संख्या में मातृ शामिल होकर गरबा नृत्य कर आनंद लेते है आगे भी हर वर्ष गरबा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद वर्मा थे उन्होंने आयोजन समिति को गरबा महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए गरबा नृत्य का सहरना की व सफल आयोजन की बधाई प्रेषित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने किया उन्होंने नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए गरबा महोत्सव में सहभागिता करने वाले सभी मातृ को



बधाई दिए व आगे भी ज्यादा से ज्यादा संख्या में गरबा नृत्य में सहभागिता निभाने के लिए महिलाओं को प्रेरित किए एवं हरसंभव सहयोग देने की बात कही।

कार्यक्रम में भाजपा मण्डल अध्यक्ष रानी बंछोर, नगर पंचायत उपाध्यक्ष निशा सोनी, सभापति केवल देवांगन, सभापति नेहा वर्मा, जनपद सदस्य रवि सिन्हा, एल्डरमैन दामोदर चक्रधारी सहित राजेश्वरी वर्मा, बठेना सरपंच उनिका वर्मा, केशव बंछोर, विनीता देवांगन, किरण बंछोर, सोनम ठाकुर, प्रीति देवांगन सहित आयोजन समिति के सदस्य गण व मातृबड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

माता के भजनों पर रातभर झूमे श्रद्धालु, विधायक शकुंतला सिंह ने भी गाया देवी गीत

जबलपुर-शहडोल के अंजलि एंड ग्रुप की प्रस्तुति ने बांधा समां, दिल्ली की झांकियों ने मोहा मन

जाहिद अंसारी, सूरजपुर।

प्रतापपुर। नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा पूजा समिति बस स्टैंड प्रतापपुर के तत्वावधान में स्थानीय स्टेडियम ग्राउंड में भव्य जगराता का आयोजन किया गया। जबलपुर एवं शहडोल से पहुंचे अंजलि एंड ग्रुप के कलाकारों ने देवी भजनों की शानदार प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। वहीं दिल्ली से आए कलाकारों की आकर्षक झांकियां कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहीं। जगराते के दौरान स्टेडियम ग्राउंड माता रानी के जयकारों और देवी गीतों से गूंजता



रहा। कलाकारों ने मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों का मनमोहक चित्रण प्रस्तुत किया। भजनों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते नजर आए। आकर्षक झांकियों और भक्तिमय प्रस्तुतियों ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

विधायक शकुंतला सिंह ने भी गाए देवी भजन

कार्यक्रम में प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते की उपस्थिति विशेष आकर्षण रही। विधायक ने माता रानी के दरबार में पहुंचकर श्रद्धालुओं के साथ भक्ति में भागीदारी की। इस दौरान वे देवी भजनों पर झूमती नजर आईं। उन्होंने स्वयं भी देवी गीत गाकर मां दुर्गा की महिमा का गुणगान किया। उनकी प्रस्तुति पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने सराहना की।

विधायक की भक्ति में सहभागिता से कार्यक्रम का उत्साह और बढ़ा। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। नवरात्रि के अवसर पर आयोजित इस जगराते ने नगर में धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण को और जीवंत कर दिया।

समिति के सदस्यों का रहा योगदान

जगराता कार्यक्रम को सफल बनाने में मां दुर्गा पूजा समिति बस स्टैंड प्रतापपुर के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता, अनमोल शर्मा, संरक्षक कमलेश गुप्ता, अरविंद जायसवाल, मुकेश अग्रवाल, नवीन सोनू जायसवाल, सूरज रजक, शुभम कश्यप, संजय जायसवाल, अंकित जायसवाल, आयुष अग्रवाल, सूर्या अग्रवाल, सुमित गुप्ता, सोनू कश्यप, मनीष तायल सहित समिति के सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा।

चुनाव आयोग पर कथित वोट चोरी का तथ्यों के साथ आरोप लगाए भूपेश बघेल -- हर्षा लोकमणि

मौन अवधि में प्रचार के आरोप पर सुप्रीम कोर्ट के रुख से भूपेश बघेल से जवाब मांगने का समय

(जनता के गोठ)

भाजपा जिला दुर्ग की उपाध्यक्ष श्रीमती हर्षा लोकमणि चंद्राकर ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा कथित वोट चोरी को लेकर पाटन में रैली निकाल कर पाटन की जनता को क्या संदेश देना चाह रहे है। जबकि 2023 के पाटन विधानसभा चुनाव में प्रचार समाप्त होने के बाद लागू 48 घंटे की मौन अवधि में भूपेश बघेल द्वारा स्वयं लाव-लश्कर, गाजे-बाजे और समर्थकों के साथ प्रचार किए जाने का आरोप हाईकोर्ट में चुनाव याचिका में लगा है। इस मामले को प्रारंभिक स्तर पर खत्म कराने की कोशिश को सुप्रीम कोर्ट ने 28 सितंबर 2026 को



स्वीकार नहीं किया। वर्तमान में कुछ दिनों पूर्व सुनवाई टालने के उद्देश्य से चार बिंदु जोड़ने अपील की गई थी जिसे हाईकोर्ट ने निरस्त करते हुए मामला साक्ष्यों के आधार पर आगे बढ़ाने आदेश दिए। यह स्थिति अपने आप में गंभीर सवाल खड़े करती है जब चुनाव प्रचार की समय-सीमा समाप्त हो चुकी थी, तब कथित रूप से प्रचार क्यों किया गया? क्या कानून आम प्रत्याशी और कांग्रेस के बड़े राजनीतिक नेताओं के लिए अलग-अलग है?

श्रीमती हर्षा चंद्राकर ने कहा कि पाटन की जनता जानना चाहती है कि क्या मौन अवधि में मतदाताओं को प्रभावित करने का कथित प्रयास उनके स्वतंत्र मताधिकार में हस्तक्षेप नहीं था? मैं स्पष्ट करना चाहती हूँ कि ÷वोट चोरी÷ कोई न्यायिक रूप से सिद्ध तथ्य नहीं है; अंतिम निर्णय अदालत ही करेगी। लेकिन यदि मौन अवधि के उल्लंघन के आरोप साक्ष्यों से प्रमाणित होते हैं, तो यह चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर बेहद गंभीर सवाल होगा।

भूपेश बघेल को कथित वोट चोरी पर राजनीति करनी है तो पहले स्वयं के ऊपर चल रहे हाईकोर्ट के मामले पर जवाब देना चाहिए फिर आरोप लगाना चाहिए। क्या भ्रामक राजनीतिक बयानबाजी करने से पूर्व भूपेश बघेल को कथित वोट चोरी पर सबूत नहीं देना चाहिए? क्या चुनाव आयोग पर आरोप लगाने से पूर्व विधायकी पद से इस्तीफा नहीं देना चाहिए? इन गंभीर सवालों का जवाब पाटन की जनता के सामने देना चाहिए।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर 31 अक्टूबर को सुकमा में आंदोलन, बस्तर से अधिकाधिक भागीदारी पर जोर

जगदलपुर में समाज की बैठक में आंदोलन की रणनीति पर चर्चा, शहरी और ग्रामीण इकाइयों का हुआ गठन

बकावंड जनता के गोठ। तीन सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज अब आंदोलन की तैयारी में जुट गया है। आगामी 31 अक्टूबर को सुकमा में आयोजित होने वाले आंदोलन एवं अधिकार रैली में बस्तर जिले से अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए समाज ने प्रचार-प्रसार तेज करने का निर्णय लिया है। इसी सिलसिले में जगदलपुर के मंडी प्रांगण में समाज की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सांसद महेश कश्यप और विधायकों को मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष तरुण धाकड़ ने की।



शहरी और ग्रामीण इकाइयों का गठन

बैठक में बस्तर जिले की शहरी और ग्रामीण इकाइयों का अलग-अलग गठन किया गया। शहरी इकाई के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी नरेश जायसवाल को सौंपी गई। वहीं, ग्रामीण युवा प्रकोष्ठ की जिला इकाई का अध्यक्ष लखीराम यादव को बनाया गया। अन्य पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया, जबकि शेष पदों पर नियुक्ति का निर्णय आगामी बैठक में लिया जाएगा।

आंदोलन को सफल बनाने पर जोर

बैठक में उपस्थित समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने 31 अक्टूबर को सुकमा में प्रस्तावित आंदोलन एवं अधिकार रैली को सफल बनाने पर जोर दिया। इसके लिए बस्तर जिले के सभी विकासखंडों में व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा समाज के अधिकाधिक लोगों को रैली में शामिल करने की रणनीति बनाई गई।

इस दौरान संभागीय संगठन महामंत्री नीलकंठ शार्दूल, कोंडागांव जिलाध्यक्ष रैमल दीवान, बस्तर जिला प्रभारी अमित गुप्ता सहित समाज के अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

नीलाम्बर भद्रे ने बाढ़ प्रभावित परिवारों से मिलकर मुआवजा दिलाने का लिया संकल्प

बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा और जनता कांग्रेस जे की टीम ने प्रभावित गांवों का किया निरीक्षण, बेघर परिवारों को आवास देने की मांग

भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ। विकासखंड बकावंड के अंतर्गत इंद्रावती नदी के तट पर बसे बनियागांव, तारापुर, बकावंड, उलनार सहित आसपास के गांवों में बाढ़ से हुई तबाही का जायजा लेने बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं जनता कांग्रेस जे की ब्लॉक टीम ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान संगठन के नेता नीलांबर भद्रे और ब्लॉक अध्यक्ष लखी ने बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। नीलांबर भद्रे ने प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा दिलाने के लिए प्रयास करने का संकल्प लिया।

निरीक्षण के दौरान सामने आया कि इंद्रावती नदी में आई बाढ़ से तटवर्ती गांवों में भारी नुकसान हुआ



है। कई परिवारों के मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे उनके सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। घरों में रखा अनाज बाढ़ के पानी में खराब हो गया, वहीं कपड़े और रोजमर्रा की जरूरत का सामान भी बर्बाद हो गया। बाढ़ के कारण प्रभावित परिवारों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ भोजन और आवास जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रभावितों को मुआवजा और पक्के आवास देने की मांग

नीलांबर भद्रे ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। संकट की इस घड़ी में शासन-प्रशासन को पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। उन्होंने प्रभावित परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से उचित मुआवजा देने तथा बाढ़ में पूरी तरह ध्वस्त हुए मकानों के बदले पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रभावित गांव में निष्पक्ष सर्वे कराकर नुकसान का वास्तविक आकलन किया जाना चाहिए।

सर्वे के आधार पर पत्र हितग्राहियों को जल्द से जल्द राहत उपलब्ध कराई जाए ताकि बेघर हुए परिवारों को दोबारा अपना जीवन व्यवस्थित करने में मदद मिल सके। उन्होंने प्रभावित परिवारों को उनका हक दिलाने के लिए आवाज उठाने और शासन प्रशासन तक उनकी समस्याएं पहुंचने की बात कही।

संपादकीय

कटघरे में अमेरिकी नीतियां और उसकी विश्वसनीयता

जिस अमेरिका ने भारत समेत अन्य देशों पर रूसी तेल खरीदने से रोकने का दबाव बनाया, वही अब अपनी जरूरतों के लिए उससे डीजल आयात करने जा रहा है। यह कदम उसकी नीतियों की विश्वसनीयता और उसके पीछे के तर्कों पर सवाल खड़े करता है।अगर रूस से ऊर्जा खरीदना उसके युद्ध संबंधी उद्देश्यों को आर्थिक समर्थन देने के समान है, जैसा अमेरिका कहता आया है, तो फिर वह खुद इस खरीद की अनुमति भला क्यों दे रहा है? गौरतलब है कि अमेरिकी प्रशासन ने रूसी तेल खरीदने के कारण भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क लगा दिया था, जिसे बाद में खत्म किया गया। इसके अलावा, हाल ही में ट्रंप ने एक ऐसे कानून को मंजूरी दी थी, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले भारत व चीन जैसे देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाया जा सकता है। दरअसल अमेरिका में अगले महीने मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं और वहां चुनावों से ऐन पहले डीजल और ईंधन की कीमतें काफी बढ़ गई हैं।इसलिए समझा जा सकता है कि कीमतों को नियंत्रित करने के लिए ट्रंप प्रशासन ने रूस के साथ यह समझौता किया है। समस्या किसी देश के अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने में नहीं, बल्कि दूसरों के लिए अलग मानदंड अपनाने में है।

अगर अमेरिका अपनी जरूरतों के आधार पर रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर सकता है, तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं को भी इसी नजरिये से देखा जाना चाहिए।अमेरिका बेशक इसे अस्थायी और आपात स्थिति बता रहा हो, लेकिन ऊर्जा की उपलब्धता और कीमतों का दबाव भारत के लिए भी उतना ही वास्तविक है। आखिर वह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है और अपनी ऊर्जा जरूरतों का 88 फीसदी से अधिक हिस्सा आयात से पूरा करता है।बहरहाल, अमेरिका के इस कदम से यूक्रेन की नाराजगी तो स्वाभाविक है, लेकिन रूसी डीजल खरीदने पर लगा अमेरिकी प्रतिबंध हटने से अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में डीजल की उपलब्धता बढ़ती है, तो कीमतों में स्थिरता बढ़ेगी, जिससे भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देशों को कुछ राहत मिलने की संभावना हो सकती है।

फल-सब्जियों जैसी जल्दी खराब होने वाली उपज का एक हिस्सा परिवहन और भंडारण की कमजोर व्यवस्था में नष्ट हो जाता है। जो बचता है, वह भी अक्सर कच्चे माल के रूप में बिकता है। खाद्य प्रसंस्करण की नीति इसी खाई को पाटने की कोशिश रही है। 'मेगा फूड पार्क' इसी सोच का बड़ा प्रयोग था। यह योजना वर्ष 2008 में शुरू हुई थी। इसका उद्देश्य केवल कुछ बड़े कारखाने खड़े करना नहीं, बल्कि किसान से लेकर प्रसंस्करणकर्ता, वितरक और बाजार तक एकीकृत मूल्य श्रृंखला तैयार करना था। योजना में संग्रह केंद्र, प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र, केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र, प्रशीतन श्रृंखला और उद्यमियों के लिए विकसित भू-खंड जैसी साझा सुविधाओं की परिकल्पना की गई। यानी लक्ष्य कृषि उपज को खेत से सीधे अधिक मूल्य वाले बाजार तक पहुंचाना था।

किसानों की कमाई बढ़ाने के लिए क्यों जरूरी हैं फूड पार्क?

(कृष्णा वाजपेई)

मेगा फूड पार्क के अनुभवों से सीखकर भारत को अगली कृषि क्रांति के लिए मजबूत कोल्ड चेन, स्थानीय प्रसंस्करण केंद्रों और निर्यात मानकों पर जोर देना होगा ताकि किसान लाभान्वित हों। भारत कृषि प्रधान देश है, लेकिन कृषि अर्थव्यवस्था की सबसे कमजोर कड़ी लंबे समय तक खेत के बाद ही शुरू होती रही। किसान फसल पैदा करता है, मंडी तक पहुंचाता है और फिर मूल्यवर्धन का बड़ा हिस्सा दूसरे हिस्सेदारों के खाते में चला जाता है।

फल-सब्जियों जैसी जल्दी खराब होने वाली उपज का एक हिस्सा परिवहन और भंडारण की कमजोर व्यवस्था में नष्ट हो जाता है। जो बचता है, वह भी अक्सर कच्चे माल के रूप में बिकता है। खाद्य प्रसंस्करण की नीति इसी खाई को पाटने की कोशिश रही है। 'मेगा फूड पार्क' इसी सोच का बड़ा प्रयोग था।

यह योजना वर्ष 2008 में शुरू हुई थी। इसका उद्देश्य केवल कुछ बड़े कारखाने खड़े करना नहीं, बल्कि किसान से लेकर प्रसंस्करणकर्ता, वितरक और बाजार तक एकीकृत मूल्य श्रृंखला तैयार करना था। योजना में संग्रह केंद्र, प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र, केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र, प्रशीतन श्रृंखला और उद्यमियों के लिए विकसित भू-खंड जैसी साझा सुविधाओं की परिकल्पना की गई। यानी लक्ष्य कृषि उपज को खेत से सीधे अधिक मूल्य वाले बाजार तक पहुंचाना था।

सरकार ने इस योजना के तहत सामान्य क्षेत्रों में परियोजना लागत का पचास फीसद और कठिन, पहाड़ी तथा पूर्वोत्तर क्षेत्रों में पचहत्तर फीसद तक पूंजीगत अनुदान दिया, जिसकी अधिकतम सीमा पचास करोड़ रुपए थी। यह सरकारी कारखाना खड़ा करने की योजना नहीं थी, बल्कि निजी निवेश से प्रसंस्करण का ढांचा तैयार करना इसका लक्ष्य था।

डेढ़ दशक से अधिक समय बाद इसकी तस्वीर मिश्रित है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के अनुसार, 41 मेगा फूड पार्कों को सहायता दी गई। उनमें पच्चीस परिचालन में हैं। मंत्रालय की वेबसाइट इस योजना को अप्रैल 2021 से नए परियोजनाओं के लिए बंद बताती है, जबकि जारी परियोजनाओं की प्रतिबद्ध देनदारियां जारी रखने का प्रावधान है। इस लिहाज से योजना को पूरी तरह सफल नहीं कहा जा सकता है। सवाल यह है कि स्वीकृति और वास्तविक आर्थिक गतिविधि के बीच कितनी दूरी रह गई?

राज्यों में भी अंतर साफ है। आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और उत्तराखंड में कई फूड पार्क परिचालन तक पहुंचे हैं। चित्तूर का श्रीनी मेगा फूड पार्क और उत्तराखंड के पतंजलि तथा हिमालयन मेगा फूड पार्क



रोजगार एवं प्रसंस्करण गतिविधि के उदाहरण हैं। हालांकि इनमें रोजगार के आंकड़ों की तुलना सावधानी से करनी चाहिए, क्योंकि कुछ में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार दोनों शामिल हैं।

यही योजना की मूल चुनौती है। किसी पार्क का स्वीकृत सूची में होना और उसका वास्तव में उत्पादन, निवेश, किसान-संपर्क तथा बाजार से जुड़ना दोनों अलग बातें हैं। केवल भवन और मशीनें पर्याप्त नहीं, नियमित कच्चा माल, बिजली, प्रशीतन भंडारण, कुशल श्रम, गुणवत्ता नियंत्रण, वित्त, खरीदार और परिवहन भी जरूरी हैं।

फिर भी ऐसे ढांचे की जरूरत पर संशय की गुंजाइश बहुत कम है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार, वर्ष 2023 में फसल कटाई के बाद खेत, परिवहन, भंडारण, थोक और प्राथमिक प्रसंस्करण के स्तरों पर दुनिया में 13.3 फीसद खाद्यान्न की हानि हुई। फल और सब्जियों में यह दर 25.4 फीसद थी। ये वैश्विक आंकड़े भारत की स्थिति का प्रत्यक्ष अनुमान नहीं हैं, लेकिन वे जल्दी खराब होने वाली उपज के लिए बेहतर भंडारण, परिवहन और प्रसंस्करण के महत्त्व को स्पष्ट करते हैं।

भारत फल और सब्जियों के उत्पादन में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है। मगर उत्पादन में आगे रहना और मूल्यवर्धित खाद्य का बड़ा निर्यातक होना अलग बातें हैं। कृषि विविध है, घरेलू बाजार विशाल है और प्रसंस्करण के लिए कच्चा माल उपलब्ध है। मगर वैश्विक बाजार में सस्ता उत्पादन पर्याप्त नहीं, इसके अलावा खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता, पैकेजिंग, निर्यात मानक और समय पर आपूर्ति भी जरूरी हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का सकल मूल्यवर्धन वर्ष 2014-15 के 1.34 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2023-24 में 2.24 लाख करोड़ रुपए हो गया। वर्ष 2014-15 से 2024-25 के बीच इस क्षेत्र में 7.33 अरब डालर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। इसी अवधि में कृषि-खाद्य निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य की हिस्सेदारी 13.7 फीसद से बढ़कर 20.4 फीसद हो गई। हालांकि खाद्य प्रसंस्करण को अब कृषि नीति का सहायक क्षेत्र मानना पर्याप्त नहीं है। यह विनिर्माण, रोजगार, निर्यात और किसान आय से जुड़ा है। छोटे किसान तभी लाभ पाएंगे, जब उन्हें संग्रह, प्राथमिक प्रसंस्करण, गुणवत्ता मानकों, ऋण, संगठित खरीदारों और बाजार तक पहुंच मिले।

वर्ष 2021 में मेगा फूड पार्क योजना को नए परियोजनाओं के लिए बंद करने के बाद सरकार ने अन्य ढांचों पर जोर बढ़ाया। प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत क्लस्टर, एकीकृत प्रशीतन श्रृंखला और प्रसंस्करण अवसंरचना को बढ़ावा दिया गया। सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन की योजनाओं ने भी दायरा बढ़ाया। जरूरत इसी बहुस्तरीय ढांचे की है।

किसान के गांव या उत्पादन क्षेत्र के पास संग्रह और प्राथमिक प्रसंस्करण हो, तहसील या जिले में प्रशीतन भंडारण और पैकेजिंग की सुविधा हो तथा बड़े औद्योगिक केंद्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़े हों। इससे परिवहन लागत और बर्बादी घट सकती है तथा किसान को कच्चे माल की कीमत से आगे मूल्यवर्धन में हिस्सेदारी मिल सकती है। सहकारी समितियां, किसान उत्पादक संगठन और छोटे उद्यम इस कड़ी को मजबूत करने में भूमिका निभा सकते हैं।

सरकारी सफलता की कसौटी यह होनी चाहिए कि कितनी इकाइयां उत्पादन कर रही हैं, कितने किसान जुड़े हैं, किसानों को कितना अतिरिक्त मूल्य मिला, कितनी उपज बची, कितना निजी निवेश आया, कितना निर्यात हुआ और कितने स्थायी रोजगार सृजित हुए। किसी योजना की आर्थिक सफलता कागजी स्वीकृति से नहीं, जमीन पर चलती गतिविधि से मापी जानी चाहिए।

मेगा फूड पार्क ने भारत को एक महत्त्वपूर्ण सबक दिया है। कृषि और उद्योग अलग नहीं हैं। आम, टमाटर, दूध, मछली, मसाले या अनाज की आर्थिक क्षमता खेत में उत्पादन के साथ समाप्त नहीं होती। विज्ञान, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, परिवहन, गुणवत्ता और बाजार से जुड़ने पर उसका मूल्य कई गुना बढ़ सकता है। मगर इसके लिए नीति की घोषणा से अधिक जरूरी है उसका समयबद्ध और पारदर्शी क्रियान्वयन।

भारत के सामने अब अवसर बड़ा है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और प्रसंस्कृत खाद्य की निर्यात हिस्सेदारी भी बढ़ी है। मगर क्षमता और उपलब्धि के बीच की दूरी अभी बनी हुई है। अगली कृषि क्रांति केवल अधिक उत्पादन की नहीं, अधिक मूल्यवर्धन की होनी चाहिए। इसके लिए बड़े फूड पार्कों के साथ हजारों छोटे और मध्यम प्रसंस्करण केंद्रों, मजबूत प्रशीतन श्रृंखला, बेहतर गुणवत्ता व्यवस्था और वैश्विक बाजार से विश्वसनीय जुड़ाव की जरूरत होगी।

खेत से दुनिया की थाली तक भारत की यात्रा तभी पूरी होगी, जब किसान मूल्य श्रृंखला का भागीदार बने। मेगा फूड पार्क उस दिशा में बड़ा प्रयोग थे, ऐसी व्यवस्था चाहिए, जिसमें खेत की उपज उद्योग में मूल्य पाए और स्थानीय उत्पाद दुनिया के बाजार में प्रतिस्पर्धी बने। भारत की खाद्य-प्रसंस्करण क्रांति इसी जुड़ी हुई श्रृंखला से आएगी।

खुद को एआई के हवाले न कर दें- निर्भरता हमें लापरवाह न बना दे

(एली टैन)

एआई जिंदगी को आसान बनाने के लिए काफी कुछ कर सकता है, पर यह ध्यान रखना होगा कि इस पर निर्भरता हमें लापरवाह न बना दे। पैट्रिक विंस्टन के मुताबिक एआई लोगों को कंप्यूटर से, ज्ञान से, असली दुनिया से और आपस में एक-दूसरे से जोड़ने का एक नया जरिया है। हाल ही में मेरे फोन पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। दूसरी तरफ से आवाज आई, 'हैलो, मैं एंथम डेंटल से बोल रहा हूं। मैं आपको एक विशेषज्ञ से जोड़ने जा रहा हूं।' मैं तुरंत समझ गया कि यह मेटा का एआई एजेंट एप 'म्यूज' बोल रहा है। क्योंकि, मैं भी इस एआई एजेंट का खूब उपयोग करता हूं। ठीक दस मिनट पहले, इसी एजेंट ने मेरी डेंटल बीमा देने वाली कंपनी को फोन किया था और बिल्कुल वैसे ही बात की थी, जैसा मैंने उसे करने के लिए कहा था। यह उन कई कामों में से एक था, जो मैंने पिछले दो हफ्तों में म्यूज से करवाए थे।

म्यूज आम लोगों के लिए बनाया गया शुरुआती एआई एजेंट है। यह इंटरनेट पर वेबसाइट बना सकता है, किसी अकाउंट में लॉगिन कर सकता है, कोई फॉर्म भर सकता है, स्प्रेडशीट तैयार कर सकता है और यहां तक कि आपकी ओर से फोन कॉल भी कर सकता है। मैंने अपने कई जरूरी काम म्यूज को इसीलिए सौंपे, ताकि यह समझ सकूं कि यह रोजमर्रा के कामों को कितना आसान बना सकता है और इसकी क्या सीमाएं हैं। मैंने इससे किराने का सामान मंगवाने, मीटिंग तय करने और गेम की सेटिंग्स बदलने जैसे कई काम करवाए।

मुझे सबसे ज्यादा हैरानी तब हुई, जब मैंने अपने क्रेडिट कार्ड म्यूज से जोड़े और उसे गूगल शीट्स में मेरे खर्चों का हिसाब रखने को कहा। कुछ ही मिनटों में उसने पूरा डाटा तैयार कर दिया। खास बात यह थी कि उसने दो ऐसे सब्सक्रिप्शन भी खोज निकाले, जिनके लिए मैं दो बार भुगतान कर रहा था। मेरी अनुमति से उसने उन्हें रद्द कर दिया। फिर, उसने मेरे ई-मेल के जरिये एक ऐसे अखबार के ट्रायल का रिफंड भी मांगा, जिसकी अवधि समाप्त हो चुकी थी। इससे मेरे 44.99 डॉलर भी बच गए। इस अनुभव से मुझे समझ आया कि एआई एजेंट सिर्फ सवालों के जवाब देने वाले चैटबॉट नहीं हैं। वे ऐसे काम भी कर सकते हैं, जिन्हें अब तक लोगों को खुद करना पड़ता था। मसलन, मैं पार्किंग टिकट की फोटो लेकर म्यूज को भेजता और वह मेरी ओर से उसका भुगतान कर देता। भुगतान से पहले वह मेरी अनुमति जरूर लेता था। काम करते समय मैं ब्राउजर की एक छोटी-सी विंडो में यह भी देख सकता था कि वह क्या कर रहा है। हालांकि, थर्ड-पार्टी वेबसाइटों पर साइन-इन करने में उसे मेरी मदद की जरूरत पड़ी। म्यूज की ताकत और उससे जुड़े जोखिमों का पता मुझे तब चला, जब मैंने उसे फेसबुक मार्केटप्लेस पर अपने लिए खरीदारी और मोल-भाव करने के लिए कहा। मैंने उसे ऐसे सामान खोजने को कहा, जो बाजार में मिलने वाली कीमत से आधे या उससे भी कम दाम पर उपलब्ध हों। पर, इसी दौरान मुझसे एक गलती हो गई। म्यूज को भेजने के लिए लिखा गया एक संदेश गलती से एशली नाम के विक्रेता को चला गया। गलती एआई की नहीं, मेरी थी। इस छोटी-सी चूक ने मुझे एक बड़ी सीख दे दी। एआई हमारी जिंदगी को आसान बनाने के लिए काफी कुछ कर सकता है, लेकिन हमें यह ध्यान रखना होगा कि इस पर निर्भरता हमें लापरवाह न बना दे। यह काफी जोखिमपूर्ण भी हो सकता है।

मुझे म्यूज अब तक का सबसे उपयोगी एआई एप लगा। लेकिन, इसकी उपयोगिता के साथ एक बड़ा सवाल भी है और वह यह कि क्या हम अपने जरूरी कामों के लिए किसी एआई एजेंट को अपने बैंक खाते, ई-मेल और निजी जानकारी तक पहुंच देने को तैयार हैं? खासकर तब, जब मेटा जैसी कंपनी पर निजता और यूजर्स के डाटा की सुरक्षा को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। हालांकि, एजेंटिक मार्केटिंग प्लेटफॉर्म अकॉस्टिक की सीनियर डायरेक्टर मेलिसा वाडासेरिल ने म्यूज की तुलना साल 2010 में लॉन्च हुए सिरी से की है। उनका कहना है कि सिरी के आने के बाद भी लोगों को यह समझने में वक्त लगा था कि वे इस तकनीक का इस्तेमाल किन-किन कामों के लिए कर सकते हैं। उनके मुताबिक, म्यूज का बाजार भी अभी शुरुआती दौर में है।

शायद निजता ही एआई के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। ये कई काम बेशक आसान बना सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें हमारी निजी जिंदगी, आदतों और जरूरी जानकारियों तक पहुंच देनी होगी। इसलिए, सवाल सिर्फ यह नहीं है कि एआई क्या कर सकता है, बल्कि यह है कि हम किस सीमा तक खुद को एआई के हवाले करने को तैयार हैं?

हॉटपॉट एआई: इसका इस्तेमाल ग्राफिक्स बनाने, फोटो सुधारने और कटेंट तैयार करने के लिए किया जाता है। इसमें आप अपनी पुरानी तस्वीर अपलोड करके उसे साफ और बेहतर बना सकते हैं। यह फोटो का धुंधलापन दूर करने, उसे शार्प बनाने तथा छोटे-मोटे दाग या खराब हिस्सों को सुधारने में मदद करता है। अगर आपके पास ब्लैक एंड व्हाइट फोटो है, तो इसका कलराइज फीचर उसे रंगीन बनाने में सहायता करता है। इससे पुरानी तस्वीरें पहले से ज्यादा साफ और जीवंत दिखाई देती हैं। इसका एक खास फीचर 'डीप नॉस्टैल्जिया' भी है, जो तस्वीर में मौजूद चेहरे को हल्का-सा हिलाकर ऐसा प्रभाव देता है, मानो फोटो में व्यक्ति जीवंत हो उठा हो।

क्यों बदलता है अलग-अलग रिश्तों में इंसान का व्यवहार? समझें मानव स्वभाव का यह सच

समस्या तब शुरू होती है, जब हम इस अंतर को समझे बिना व्यक्ति के पूरे चरित्र का निर्णय कर लेते हैं। अपने बच्चे के लिए एक मां का प्रेम लगभग निस्वार्थ होता है। वह उसकी गलतियों को सुधारने का प्रयास करती है, लेकिन उसके प्रति उसके मन में अपनापन कम नहीं होता। वही महिला अपने पति के साथ जीवन की साझेदार होती है। वहां प्रेम के साथ मतभेद भी होते हैं, जिम्मेदारियां भी होती हैं और अनेक व्यावहारिक निर्णय भी। अपने सास-ससुर के सामने वह बहू होती है, जहां संबंधों के साथ अपेक्षाएं और सामाजिक मर्यादाएं जुड़ी होती हैं।

(महिमा सामंत)

मनुष्य को समझना शायद संसार के सबसे कठिन कार्यों में से एक है। हम किसी व्यक्ति से मिलते हैं, उसके कुछ व्यवहार देखते हैं और उसके बारे में एक राय बना लेते हैं। मगर समय के साथ जब उसी व्यक्ति को अलग-अलग रिश्तों और परिस्थितियों में देखते हैं, तो अक्सर आश्चर्य होता है। जो व्यक्ति कहीं अत्यंत स्नेही दिखाई देता है, वही कहीं कठोर नजर आता है।

जो किसी के लिए त्याग और समर्पण की मिसाल है, वही किसी दूसरे रिश्ते में उतना उदार नहीं दिखता। तब मन में प्रश्न उठता है- क्या व्यक्ति बदल जाता है, या रिश्तों के साथ उसका व्यवहार बदल जाता है? सच तो यह है कि जीवन एक मंच की तरह है, जहां हर व्यक्ति अनेक भूमिकाएं निभाता है। वह एक साथ पुत्र भी है, पिता भी, मित्र भी, पति भी, कर्मचारी भी और नागरिक भी। हर भूमिका की अपनी अपेक्षाएं, सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। इसलिए व्यवहार में अंतर दिखाई देना स्वाभाविक है।

समस्या तब शुरू होती है, जब हम इस अंतर को समझे बिना व्यक्ति के पूरे चरित्र का निर्णय कर लेते हैं। अपने बच्चे के लिए एक मां का प्रेम लगभग निस्वार्थ होता है। वह उसकी गलतियों को सुधारने का प्रयास करती है, लेकिन उसके प्रति उसके मन में अपनापन कम नहीं होता। वही महिला अपने पति के साथ जीवन की साझेदार होती है।

वहां प्रेम के साथ मतभेद भी होते हैं, जिम्मेदारियां भी होती हैं और अनेक व्यावहारिक निर्णय भी। अपने सास-ससुर के सामने वह बहू होती है, जहां संबंधों के साथ अपेक्षाएं और सामाजिक मर्यादाएं जुड़ी होती हैं। अपने माता-पिता के घर में वह फिर बेटी बन जाती है, जहां बिना किसी संकोच के अपने मन की बात कह सकती है। अपनी सहेलियों के बीच वही महिला सबसे अधिक खुली, हंसमुख और निश्चिंत दिख



सकती है। रिश्तों के मुताबिक उसकी अभिव्यक्ति भी बदल रही है।

इसी तरह एक व्यक्ति अपनी मां के सामने आज भी बच्चा बना रहता है। वही अपने बच्चों के सामने जिम्मेदार अभिभावक होता है। अपनी बहन के प्रति उसका व्यवहार सुरक्षात्मक हो सकता है, अपने भाई के प्रति प्रतिस्पर्धी और मित्रवत तथा अपने जीवनसाथी के प्रति सहयोग और साझेदारी वाला। हर रिश्ते में भावनाओं का रंग अलग होता है, इसलिए व्यवहार का स्वरूप भी बदल जाता है। कई बार सास अपनी बेटी और बहू के प्रति अलग व्यवहार करती हुई दिखाई देती है। बाहर से देखने पर यह जानबूझ कर किया गया भेदभाव लगता है।

कुछ मामलों में ऐसा होता भी है, लेकिन हर बार नहीं। अनेक बार इसके पीछे वर्षों से बनी मानसिकता, भावनात्मक निकटता और सामाजिक संस्कार काम करते हैं। अपनी बेटी की गलती में उसे बचपन दिखाई देता है, जबकि बहू की वही गलती उसे जिम्मेदारी की कमी लग सकती है। दूसरी ओर, बहू अपनी मां की सलाह को स्नेह समझती है, लेकिन सास की सलाह को आलोचना मान बैठती है। दोनों पक्षों में अक्सर बुरी नीयत नहीं होती। समस्या दृष्टिकोण और मानसिकता की होती है।

इसी तरह, एक पिता अपनी बेटी के लिए अत्यधिक चिंतित रहता है, लेकिन वही चिंता बहू के लिए उतनी स्पष्ट रूप से व्यक्त नहीं कर पाता। एक व्यक्ति अपने मित्र की सफलता पर खुश होता है, लेकिन अपने भाई की सफलता पर तुलना करने लगता है। एक कर्मचारी अपने वरिष्ठ अधिकारी के प्रति औपचारिक रहता है, लेकिन कनिष्ठ सहयोगियों के साथ सहज। इन सबके पीछे कोई सोची-समझी योजना नहीं होती। अधिकांश मामलों में यह वर्षों से बने अनुभवों, भावनात्मक जुड़ाव और मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों का परिणाम होता है।

दरअसल, हर बदलता व्यवहार दिखावा नहीं होता। हम अक्सर कहते हैं कि फलां व्यक्ति के कई चेहरे हैं, लेकिन कई बार उसके कई चेहरे नहीं होते, बल्कि कई जिम्मेदारियां होती हैं। एक व्यक्ति अलग-अलग परिस्थितियों में अलग प्रकार की प्रतिक्रिया देता है, क्योंकि हर परिस्थिति उससे अलग भूमिका निभाने की अपेक्षा करती है। असली प्रश्न यह नहीं है कि उसका व्यवहार क्यों बदलता है, असली प्रश्न यह है कि क्या उसके मूल मूल्य भी बदल जाते हैं? किसी व्यक्ति को केवल एक रिश्ते के आधार पर नहीं परखना चाहिए। जो शिक्षक कक्षा में कठोर लगता है, वही घर में अत्यंत स्नेही पिता हो सकता है। जो छात्र कक्षा में शांत है, वही मित्रों के बीच सबसे अधिक जीवंत हो सकता है। जो पड़ोसी कम बोलता है, वह अपने परिवार के लिए सबसे अधिक समर्पित व्यक्ति हो सकता है। हम अक्सर किसी व्यक्ति का केवल एक पक्ष देखते हैं और उसी के आधार पर उसके पूरे व्यक्तित्व का निर्णय कर लेते हैं। यह वैसा ही है, जैसे किसी विशाल वृक्ष की केवल एक शाखा देखकर उसके पूरे आकार का अनुमान लगाने का प्रयास करना। आज के सोशल मीडिया युग में यह प्रवृत्ति और भी बढ़ गई है। कुछ तस्वीरें, कुछ पोस्ट या कुछ मिनटों की बातचीत देखकर हम लोगों के बारे में निष्कर्ष निकाल लेते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि हर व्यक्ति के जीवन में ऐसे अनेक पक्ष होते हैं, जिन्हें दुनिया कभी देख ही नहीं पाती। मुस्कुराते चेहरे के पीछे संघर्ष हो सकते हैं और कठोर दिखने वाले व्यक्तित्व के भीतर गहरी संवेदनशीलता छिपी हो सकती है।

फिर भी व्यवहार में परिवर्तन की एक सीमा होनी चाहिए। रिश्तों के अनुसार अभिव्यक्ति बदल सकती है, लेकिन सम्मान, करुणा, न्याय और संवेदनशीलता जैसे मूल्य नहीं बदलने चाहिए। शायद किसी व्यक्ति के चरित्र की सबसे बड़ी परीक्षा यही है कि वह उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करता है जिनसे उसे कोई लाभ नहीं मिलने वाला। अपने लोगों से प्रेम करना सहज है, लेकिन हर व्यक्ति के सम्मान को स्वीकार करना परिपक्वता का परिचायक है।

सरनाडीह में गणित मेले की धूम, 126 बच्चों ने स्टॉल लगाकर समझाए गणित के कठिन सवाल

खेल-खेल में गणित सीखने की पहल, जोड़-घटाव से स्थानीय मान तक बच्चों ने दिखाई प्रतिभा; अजीम प्रेमजी फाउंडेशन का सहयोग

रोहित यादव / बलरामपुर (जनता के गोठ) : गणित अब सिर्फ किताबों और ब्लैकबोर्ड तक सीमित नहीं, बल्कि खेल, गतिविधियों और रोचक प्रयोगों के जरिए भी सीखा जा सकता है। इसी सोच को साकार करते हुए विकासखंड बलरामपुर के संकुल केंद्र सरनाडीह में बुधवार, 15 अक्टूबर को गणित मेले का भव्य आयोजन किया गया। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस मेले में संकुल की प्राथमिक शालाओं के 126 बच्चों और 9 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। मेले में बच्चों ने स्वयं स्टॉल संचालित कर गणितीय अवधारणाओं को सरल और रोचक तरीके से प्रस्तुत किया।



बच्चे बने शिक्षक, गतिविधियों से समझाई गणितीय अवधारणाएं

गणित मेले में संख्या पूर्व अवधारणा, संख्या ज्ञान, स्थानीय मान, जोड़-घटाव और इबारती सवालों पर आधारित अलग-अलग स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों की जिम्मेदारी बच्चों ने स्वयं संभाली। उन्होंने गतिविधियों के माध्यम से अपने साथी विद्यार्थियों और शिक्षकों को गणित के सवालों एवं अवधारणाओं को समझाया। मेले में पहुंचे बच्चों को हर स्टॉल पर गणित को खेल-खेल में सीखने और अपनी समझ विकसित करने का अवसर मिला।

अधिकारियों से बच्चों ने पूछे सवाल, दिखा आत्मविश्वास

मेले का सबसे रोचक पहलू तब देखने को मिला, जब निरीक्षण के लिए पहुंचे बीआरसी, सीआरसी और सीएसी ने बच्चों के स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान बच्चों ने भी अधिकारियों से अपनी गणितीय समझ के आधार पर सवाल पूछे। बच्चों की सक्रिय भागीदारी और आत्मविश्वास ने गतिविधि आधारित शिक्षण की उपयोगिता को सामने रखा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सोच को मिला व्यवहारिक रूप

मेले में कक्षा 1 से 3 तक की आनंदमय गणित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित गतिविधियां आयोजित की गईं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप गणित को रटने के बजाय समझने, प्रयोग करने और आनंद के साथ सीखने पर जोर दिया गया। बच्चों ने देखकर, बोलकर और स्वयं गतिविधियां करके गणितीय अवधारणाओं को समझने का अनुभव प्राप्त किया।

शिक्षकों के नवाचारों को साझा करने का मंच बना मेला

गणित मेला केवल बच्चों के सीखने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शिक्षकों के लिए भी अपनी शिक्षण पद्धतियों और कक्षा में किए जा रहे नवाचारों को साझा करने का अवसर बना। स्टॉल संचालन के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने और गणित के प्रति रुचि विकसित करने की दिशा में यह आयोजन महत्वपूर्ण रहा। सरनाडीह संकुल में आयोजित इस गणित मेले ने यह संदेश दिया कि सही गतिविधियों और रोचक शिक्षण विधियों के माध्यम से कठिन माने जाने वाले विषय को भी बच्चों के लिए सरल, सहज और आनंददायक बनाया जा सकता है।

प्रिज्म पब्लिक स्कूल , महकाखुर्द में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी के साथ आनंद मेले का भव्य आयोजन



अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

दुर्ग/ उतई / पाटन। प्रिज्म पब्लिक स्कूल महका खुर्द में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी के साथ आनंद मेंले का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संदीप नन्दनवर (चेयरमैन कंज्यूमर ग्रीवांस रिड्रेसल फेरम) जिंदल एवं विशिष्ट अतिथि नीलिमा नंदनवार उपस्थित रहे। साथ ही विद्यालय के प्राचार्य डुमेश कुमार एवं प्राचार्या स्वर्णलता पाल के साथ असीम साहू एवं परमिता मोहंती की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना रहा।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विभिन्न विज्ञान मॉडलों एवं आकर्षक कलाकृतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर द्रोणाचार्य विद्यालय उतई , शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहंडोर एवं स्वामी आत्मानंद विद्यालय, घुघवा के विद्यार्थियों ने भी अपने विज्ञान मॉडलों के साथ सहभागिता की। वहीं, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सेलूद के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का भ्रमण कर विभिन्न मॉडलों का अवलोकन किया।

आनंद मेले में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाए। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों को रचनात्मकता, सहयोग एवं प्रबंधन कौशल प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया। अभिभावकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की।

सम्पूर्ण कार्यक्रम के प्रभारी प्रशांत साहू एवं अंजू शर्मा रहे। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समग्र रूप से यह आयोजन ज्ञान, विज्ञान, कला और मनोरंजन का सुंदर संगम रहा, जिसने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास एवं सृजनात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करने के साथ विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच ज्ञान एवं अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान किया।

30 दिन का अल्टीमेटम! कोटेया-बगड़ा सड़क नहीं बनी तो अभाविप करेगा चक्काजाम

जर्जर सड़क से परेशान 10 गांवों के लोग, 150 विद्यार्थियों ने हस्ताक्षर अभियान में लिया हिस्सा; स्थरूको सौंपा ज्ञापन

रोहित यादव / प्रतापपुर (जनता के गोठ) : कोटेया-बगड़ा सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की धरमपुर इकाई ने मोर्चा खोल दिया है। सड़क के पुनः डामरीकरण की मांग को लेकर अभाविप कार्यकर्ताओं ने प्रतापपुर अनुविभागीय दंडाधिकारी (स्थरू) को ज्ञापन सौंपते हुए 30 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। परिषद ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समयसीमा में सड़क का डामरीकरण नहीं कराया गया, तो चरणबद्ध आंदोलन के साथ चक्काजाम किया जाएगा।



गड्ढों और कीचड़ के बीच स्कूल जाने को मजबूर विद्यार्थी

अभाविप प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रिंकु नाविक ने कहा कि कोटेया-बगड़ा सड़क की हालत बेहद जर्जर हो चुकी है। बरसात के दिनों में सड़क पर पानी से भरे गड्ढों और कीचड़ के कारण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोटेया के विद्यार्थियों को आवागमन में भारी परेशानी होती है। उन्होंने यह भी बताया कि आसपास जंगल होने के कारण छुट्टी के समय सड़क के आसपास हाथियों की आवाजाही बनी रहने से विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर चिंता रहती है।

10 गांवों की आवाजाही, दुर्घटनाओं का खतरा

धरमपुर नगरमंत्री नारायण राम पैकरा ने बताया कि इस मार्ग से विद्यालय के विद्यार्थियों के अलावा करीब 10 गांवों के लोग भी आवागमन करते हैं। सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद सड़क की स्थिति में सुधार नहीं होने से क्षेत्रवासियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

करपावंड में मां दुर्गा के दर्शन करने पहुंचे 17 ग्रामीण

सरपंच लखमू राम नेताम के नेतृत्व में ग्रामीणों ने की पूजा-अर्चना, गांव की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

बकावंड जनता के गोठ। विकासखंड जनपद पंचायत बकावंड के ग्राम पंचायत करपावंड के सरपंच लखमू राम नेताम के नेतृत्व में 17 ग्रामीणों का जत्था प्रसिद्ध धार्मिक स्थल करपावंड स्थित मां दुर्गा मंदिर पहुंचा। यहां सरपंच सहित सभी ग्रामीणों ने मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर गांव में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक दर्शन यात्रा में माधवलाल सोने-चांदी सेठ, जयराम देवांगन, कमल कश्यप, सरपंच लखमू राम नेताम, पंडित संतोष आचार्य, गुलेश्वर देवांगन, सुनील कुमार कश्यप, रामलखन देवांगन, युवराज कश्यप, मनीराम बघेल, लोकनाथ देवांगन, फातू राम बघेल, कोडीराम भारती, मगराम नेताम, रामदेव नाग, सुबधन बघेल और लखूराम देवांगन शामिल रहे।



इस अवसर पर सरपंच लखमू राम नेताम ने कहा कि मां दुर्गा के आशीर्वाद से गांव में आपसी भाईचारा, एकता और सद्भाव हमेशा बना रहे। उन्होंने गांव की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक यात्रा को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला।

भटगांव में ओबीसी कोल एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यालय का उद्घाटन

कर्मचारियों के हितों की रक्षा और एकजुटता मजबूत करने पर जोर, नए कार्यालय से संगठनात्मक गतिविधियों को मिलेगी गति

जाहिद अंसारी, सूरजपुर। भटगांव। एसईसीएल भटगांव क्षेत्र में बैकवर्ड क्लास (ओबीसी) कोल एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यालय का उद्घाटन समारोह शुक्रवार को बी/2, भटगांव कॉलरी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संगठन के सदस्यों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान कर्मचारियों के हितों की रक्षा, आपसी एकजुटता और कल्याणकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। समारोह में गुलाब सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को सामने लाने और उनके हितों के लिए काम करने में संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। संगठन की मजबूती के लिए सदस्यों के बीच आपसी सहयोग और एकता बनाए रखना आवश्यक है।



कर्मचारियों की समस्याओं को उठाने में मिलेगी मदद- कार्यालय के उद्घाटन को एसोसिएशन की संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया। उपस्थित सदस्यों ने उम्मीद जताई कि नए कार्यालय के माध्यम से कर्मचारियों की समस्याओं को उचित मंच पर उठाने, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आपसी सहयोग को मजबूत करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में जय बहादुर सिंह यादव, ताराचंद यादव, लाइजनिंग अधिकारी बिनोद कुमार, अनिरुद्ध कुमार चंद्रा, मंगला सिंह यादव, दिलीप कुमार मंडल, राजेश कुमार, अशोक यादव, राजेंद्र गुप्ता, लवकुमार, संतोष प्रजापति, धनंजय धीर, हरभजन पटेल, दीपक पटेल, ओबीसी अध्यक्ष जगन्नाथपुर एवं नगर पंचायत अध्यक्ष परमेश्वरी राजवाड़े, ओबीसी सचिव जगन्नाथपुर मनीष ठाकुर, सौरव कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण- 12 नवंबर को प्रारंभिक प्रकाशन, 11 दिसंबर तक दर्ज होंगे दावे-आपत्ति

रोहित यादव / बलरामपुर (जनता के गोठ) : भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर फेटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया गया है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार 02 नवंबर 2026 तक मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण का कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात 12 नवंबर 2026 को निर्वाचक नामावलियों का प्रारंभिक प्रकाशन होगा तथा 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा, जिसके बाद 04 जनवरी 2027 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

बस की तर्ज पर रेल में भी नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराने की मांग, बोले—आस्था के नाम पर राजनीति बंद करे सरकार

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ

जगदलपुर। नगर निगम जगदलपुर के नेता प्रतिपक्ष एवं पार्षद राजेश चौधरी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए बस्तर के पदयात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए जगदलपुर-किरंदुल रेल मार्ग पर निःशुल्क यात्रा सुविधा शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जब जगदलपुर से दंतेवाड़ा जाने वाले पदयात्रियों के लिए निःशुल्क बस सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है, तो ट्रेन में ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं की जा सकती?

राजेश चौधरी ने कहा कि बस्तर दशहरा, मां दंतेश्वरी के दर्शन और मावली परगाव की परंपरा क्षेत्र की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान से जुड़ी हुई है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु दूर-दराज के गांवों से



दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन आर्थिक तंगी और परिवहन संबंधी परेशानियों के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सनातन और धार्मिक आस्था की बात तो करती है, लेकिन श्रद्धालुओं की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए पर्याप्त पहल नहीं कर रही है। उन्होंने विधायक, सांसद और महापौर पर भी श्रद्धालुओं की परेशानियों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

चौधरी ने कहा कि सरकार को धार्मिक आयोजनों के दौरान केवल घोषणाएं करने के बजाय आम लोगों की यात्रा को सुलभ बनाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार और संबंधित रेल प्रशासन से समन्वय कर जगदलपुर-किरंदुल ट्रेन में पदयात्रियों एवं दर्शनार्थियों को निःशुल्क यात्रा सुविधा देने की मांग की।

उन्होंने कहा कि बस्तर की आस्था और परंपराओं का सम्मान तभी सार्थक होगा, जब श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी जाएगी।

पीएम आवास निर्माण में गड़बड़ी और गरीबों के हक की राशि में हेराफेरी कतई बर्दाश्त नहीं, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का सख्त रुख, प्रधानमंत्री आवास निर्माण में अनियमितता पर दो ठेकेदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

बैगा जनजाति के 9 हितग्राहियों से आवास निर्माण के नाम पर 5 लाख 9 हजार रुपए लेने का मामला, दो थानों में अपराध दर्ज

गरीबों और जरूरतमंदों को समय पर मिले पक्का आवास, निर्माण कार्यों में लापरवाही और हितग्राहियों के शोषण पर होगी कठोर कार्रवाई

कवर्धा, जनता के गोठ, महबूब खान/प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीबों और जरूरतमंद परिवारों के आवास निर्माण में किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही और हितग्राहियों के साथ धोखाधड़ी को लेकर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना पूरा करने की महत्वपूर्ण योजना है। इसमें किसी भी स्तर पर गड़बड़ी या हितग्राहियों के हक की राशि का दुरुपयोग कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आवास निर्माण में कोताही बरतने और गरीबों के साथ धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का आवास मिले। विशेष रूप से दूरस्थ वनांचलों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गरीबों के आवास निर्माण के लिए स्वीकृत राशि पर केवल हितग्राहियों का अधिकार है। इस राशि का दुरुपयोग करने अथवा आवास निर्माण के नाम पर हितग्राहियों को परेशान करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।



कबीरधाम में बड़ी कार्रवाई, दो ठेकेदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

कबीरधाम जिले के विकासखंड बोड़ला अंतर्गत प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के हितग्राहियों से आवास निर्माण के नाम पर राशि लेकर निर्माण कार्य नहीं करने की शिकायतों पर दो अलग-अलग मामलों में एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों मामलों में कुल 9 हितग्राहियों से 5 लाख 9 हजार रुपए लेने की शिकायत सामने आई है। शिकायतों के आधार पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध थाना चिल्फी एवं थाना तरेगांव जंगल में अपराध दर्ज किया गया है।

ग्राम पंचायत राजाढ़ार के पांच हितग्राहियों से आवास निर्माण के नाम पर कुल 3 लाख 20 हजार रुपए लेने और निर्माण कार्य नहीं करने के मामले में ठेकेदार कुमार मेरावी के विरुद्ध 14 अक्टूबर को थाना चिल्फी में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318(4) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

ग्राम राजाढ़ार निवासी श्री देवसिंह से 60 हजार रुपए, मंधोर बाई से 60 हजार रुपए, पुसीया बाई से 60 हजार रुपए, कौशिल्या बाई से 80 हजार रुपए तथा श्रीमती ननकी बाई से 60 हजार रुपए आवास निर्माण के नाम पर लिए गए थे। शिकायत के अनुसार लगभग डेढ़ वर्ष बीतने के बाद भी न तो



आवास निर्माण किया गया और न ही हितग्राहियों की राशि वापस की गई। इसके बाद हितग्राहियों की लिखित शिकायत पर ठेकेदार के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया।

ग्राम पंचायत आमानारा में भी कार्रवाई

इसी प्रकार विकासखंड बोड़ला की ग्राम पंचायत आमानारा में प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के चार हितग्राहियों से आवास निर्माण के नाम पर राशि लेने की शिकायत पर ठेकेदार तुमेश गोड़ के विरुद्ध 13 अक्टूबर को थाना तरेगांव जंगल में एफआईआर दर्ज की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बैसाखू बैगा से 64 हजार रुपए, सुकोर बाई से 60 हजार रुपए, सोनिया बाई से 45 हजार रुपये तथा रनो बाई से 20 हजार रुपये सहित कुल 1 लाख 89 हजार रुपए लेने की शिकायत दर्ज कराई गई है। इस मामले में थाना तरेगांव जंगल में अपराध क्रमांक 420 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

गरीबों के आवास निर्माण में लापरवाही करने वालों को नहीं मिलेगी कोई रियायत ङ्क विजय शर्मा

विधायक कवर्धा शर्मा ने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व लाने का माध्यम है। विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत आवास निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति गरीब और जरूरतमंद हितग्राहियों को बहला-फुसलाकर उनकी आवास राशि का दुरुपयोग करता है, तो यह अत्यंत गंभीर मामला है।

उन्होंने कहा कि आवास निर्माण के लिए स्वीकृत राशि का सदुपयोग सुनिश्चित करना और हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसमें किसी भी स्तर पर अनियमितता सामने आने पर संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। गरीबों के अधिकारों और उनके हितों की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

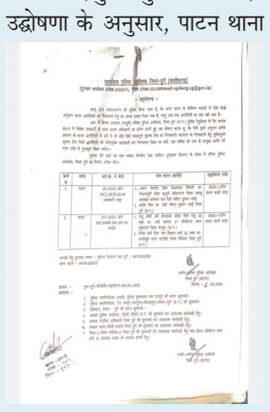
उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवारों को पक्का आवास बनाने के लिए चार किस्तों में 2 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। जिला पंचायत कबीरधाम द्वारा भी प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

खबर-खास

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर इनाम

अंचल वर्मा - जनता के गोठ।

पाटन/दुर्ग। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला दुर्ग द्वारा जारी उद्घोषणा के अनुसार, पाटन थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग आपराधिक



मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी में मदद करने अथवा उनके संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देने वाले व्यक्ति को प्रत्येक प्रकरण में 3,000 रुपये का इनाम दिया जाएगा। जारी उद्घोषणा के मुताबिक, पहला मामला वर्ष 2015 का है, जिसमें आबकारी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज है। इस प्रकरण में अरुण तिवारी और संतोष सिंह फरार आरोपी हैं। दूसरा मामला वर्ष 2021 का है, जिसमें भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज है। इस मामले में पप्पू चौधरी उर्फ हीरालाल जांगेल और मनोज वर्मा फरार आरोपी हैं। दोनों मामलों में प्रत्येक प्रकरण के लिए 3,000 रुपये की इनाम राशि निर्धारित की गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जाएगा। इनाम वितरण के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला दुर्ग का निर्णय अंतिम होगा। सूचना देने की अपीलः यदि किसी व्यक्ति को इन आरोपियों के संबंध में विश्वसनीय जानकारी मिलती है, तो वह पुलिस नियंत्रण कक्ष दुर्ग के मोबाइल नंबर 9479192099 या थाना पाटन के नंबर 9479192043 पर सूचना दे सकता है।

तहसीलदार प्रमोद कुमार चंद्रवंशी निलंबित, सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर हुई कार्रवाई

कवर्धा। कबीरधाम जिले में राजस्व विभाग के तहसीलदार प्रमोद कुमार चंद्रवंशी को छत्तीसगढ़ शासन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर



दिया है। तहसीलदार के खिलाफ यह कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन 1076 में प्राप्त शिकायतों के निराकरण और राजस्व विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा के दौरान सामने आई गंभीर लापरवाही के आधार पर की गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से 16 अक्टूबर 2026 को निलंबन आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, तहसीलदार प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, जो कबीरधाम जिले की पिपरिया तहसील में पदस्थ थे, पर शिकायतों के निराकरण में गंभीर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता बरतने के आरोप सामने आए थे। प्रकरण की जांच में उन्हें दोषी पाया गया। इसके बाद शासन ने उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि संबंधित तहसीलदार का कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 का स्पष्ट उल्लंघन है। इसी आधार पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों और उनके निराकरण की समीक्षा की गई थी। इस दौरान राजस्व विभाग से संबंधित मामलों में लापरवाही का मुद्दा सामने आया था। इसके बाद संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की गई। निलंबन अवधि के दौरान प्रमोद कुमार चंद्रवंशी का मुख्यालय जिला कबीरधाम निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। इस कार्रवाई के बाद जिले के राजस्व विभाग में चर्चा तेज हो गई है। प्रशासनिक कामकाज में लापरवाही और शिकायतों के निराकरण में देरी को लेकर शासन की सख्ती से अधिकारी-कर्मचारियों में हलचल है।

स्वास्थ्य लाभ के बाद पहली बार जगदलपुर पहुंचे किरण सिंह देव, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत





शहीद पार्क चौक पर बस्तर, करपावंड, सरगीपाल और बकावंड के भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया अभिनंदन

भुजबल बघेल बकावंड जनता के गोठ। स्वास्थ्य लाभ के बाद पहली बार जगदलपुर पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव का शहीद पार्क चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। उनके आगमन को लेकर बस्तर अंचल के कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर बस्तर, करपावंड, सरगीपाल एवं बकावंड क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने उनके स्वस्थ होकर लौटने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पुष्पमालाओं और आत्मीय अभिवादन के साथ उनका अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि श्री किरण सिंह देव के आगमन से संगठन के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। उन्होंने उनके नेतृत्व में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। शहीद पार्क चौक पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रदेश अध्यक्ष के प्रति अपनी आत्मीयता व्यक्त की।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने ग्राम चंगोरी को 150.24 लाख के विकास कार्यों की सौगात दी

दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज को मिला डोमशेड, विधायक ने फीता काटकर समाज को किया समर्पित

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

दुर्ग - नवरात्रि के पवित्र अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने ग्राम चंगोरी में माँ सरस्वती, छत्रपति शिवाजी महाराज जी एवं आदि शक्ति माँ जगदम्बा का स्मरण कर विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर ?150.24 लाख की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।

विकास कार्यों के अंतर्गत सीसी रोड, नाली निर्माण, ओपन जिम यूनिट, कबड्डी मैट, डोम शेड एवं चेकर टाइल्स जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। साथ ही नवनिर्मित पुस्तकालय एवं दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज के डोम शेड का फीता काटकर लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने अपने उद्बोधन में कहा ग्राम चंगोरी में आधारभूत सुविधाओं को मजबूती मिलने से गांव में विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

ओपन जिम एवं कबड्डी मैट से हमारे युवाओं को खेल और स्वास्थ्य के प्रति प्रोत्साहन मिलेगा, वहीं नवनिर्मित पुस्तकालय विद्यार्थियों के अध्ययन एवं



ज्ञानवर्धन में मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार गांव, गरीब, किसान और युवाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ङ्क प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, आयुष्मान भारत योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

उन्होंने विशेष रूप से कहा कि दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज के लिए नवनिर्मित डोम शेड के बन जाने से समाज को एक स्थायी छत मिल गई है। अब शादी-बर-बिहाव, छठी, मरनी-हरनी, सामाजिक अधिवेशन, बैठक, रामायण, भजन-कीर्तन जैसे हर सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक कार्यक्रम इस डोम शेड में सुगमता से संपन्न हो सकेंगे। बारिश हो या तेज धूप, समाज के लोगों को अब किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। यह डोम शेड सामाजिक एकता और समरसता का केंद्र बनेगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, सरपंच हीरामन देशमुख, बूथ अध्यक्ष बुद्धिवल्लभ देशमुख, यशवंत, सुखदेव देवांगन, पंच तुलसीराम देशमुख एवं पुकेश्वर सेन, कार्यकर्ता ईश्वरी देशमुख, मुन्ना देशमुख, पुनाराम देशमुख, शीतल देशमुख, लखन देशमुख, सुंदरलाल देशमुख सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सरकारी कॉलेज में फीस बढ़ोतरी पर एनएसयूआई का हमला, आदित्य विभु जायसवाल ने दी आंदोलन की चेतावनी !

बलरामपुर (जनता के गोठ) : शासकीय महाविद्यालय राजपुर में प्रवेश एवं अन्य शुल्कों में बढ़ोतरी को लेकर छात्र राजनीति गरमा गई है। एनएसयूआई (ह्स्ढ्ढ) के छात्र नेता विभु जायसवाल ने कॉलेज प्रशासन के फैसले पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे गरीब, आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए परेशानी बढ़ाने वाला कदम बताया है। आदित्य विभु जायसवाल ने कहा कि राजपुर कॉलेज एक शासकीय महाविद्यालय है, कोई निजी संस्थान नहीं! यह पूरा क्षेत्र आदिवासी बहुल और आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है। यहां के परिवार मजदूरी और खेती-किसानी करके बड़ी मुश्किल से अपने बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। ऐसे में यदि सरकारी कॉलेज में ही भारी शुल्क देना पड़ेगा, तो गरीब परिवारों के बच्चे उच्च शिक्षा कैसे हासिल कर पाएंगे? उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब अभिभावकों के पास महंगे कॉलेजों में पढ़ाने की आर्थिक क्षमता नहीं है, तभी तो वे अपने बच्चों को



शासकीय महाविद्यालय में पढ़ने भेजते हैं। ऐसे में फीस में भारी बढ़ोतरी करना विद्यार्थियों की मुश्किलें बढ़ा सकता है और उनकी पढ़ाई पर भी असर डाल सकता है।

NSUI ने फीस वृद्धि वापस लेने की मांग की- छात्र नेता ने कॉलेज प्रशासन से फीस बढ़ोतरी के फैसले पर पुनर्विचार करने और विद्यार्थियों को आर्थिक राहत देने की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बढ़ी हुई फीस कम करने के संबंध में उचित निर्णय नहीं लिया गया, तो ह्स्ढ्ढ छात्रों के हित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। आदित्य विभु जायसवाल ने कहा कि शिक्षा हर विद्यार्थी का अधिकार है। आर्थिक तंगी किसी छात्र की उच्च शिक्षा में बाधा नहीं बननी चाहिए। शासकीय महाविद्यालयों का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना है, न कि उन पर ऐसा आर्थिक बोझ डालना जिसे उठाना गरीब परिवारों के लिए मुश्किल हो जाए।

मदन नगर खदान प्रभावित ग्रामीणों से कलेक्टर ने किया सीधा संवाद, 22 अक्टूबर को गांव में ही सुनी जाएंगी समस्याएं

बलरामपुर (जनता के गोठ) : मदन नगर खुली खदान परियोजना के अंतर्गत ग्राम चौरा में आयोजित प्री-डीआरसी (प्री-डिस्ट्रिक्ट रिहैबिलिटेशन कमेटी) बैठक में कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर भूमि अधिग्रहण से जुड़ी उनकी समस्याओं और मांगों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी क्रम में आगामी 22 अक्टूबर को ग्राम में ही बैठक आयोजित कर उनकी मांगों को विस्तारपूर्वक सुना जाएगा तथा नियमानुसार संभव सभी कार्यों के लिए आवश्यक पहल की जाएगी।



बैठक में कुछ ग्रामीणों ने भूमि सीमांकन, बंटवारा एवं नामांतरण के लंबित प्रकरणों की जानकारी दी। इस पर कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को ग्राम में शिविर लगाकर इन प्रकरणों का निराकरण करने तथा संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को अनावश्यक परेशानी न हो। एसईसीएल के महाप्रबंधक मनीष श्रीवास्तव ने भूमि अधिग्रहण के पश्चात मिलने वाले मुआवजे एवं पात्रतानुसार रोजगार के प्रावधानों तथा आवश्यक औपचारिकताओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को इनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

बैठक में पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर, अपर कलेक्टर आर.एस. लाल, तहसीलदार राजपुर, ग्राम के सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मृत्युकालीन कथन दर्ज करने में लापरवाही नहीं चलेगी! SP वैभव बैंकर ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

हाईकोर्ट के आदेश के पालन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई बैठक, पीड़ित के उपचार से लेकर कथन की रिकॉर्डिंग तक स्ह्क्क के नियम समझाए



बलरामपुर (जनता के गोठ) : पीड़ित को समय पर उपचार और निष्पक्ष न्याय दिलाने के लिए मृत्युकालीन कथन दर्ज करने की प्रक्रिया को लेकर पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने जिले के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, पुलिस अधिकारियों एवं चिकित्सा अधिकारियों को मृत्युकालीन कथन लेखबद्ध करने की मानक संचालन प्रक्रिया (स्ह्क्क) की विस्तृत जानकारी दी गई। यह बैठक माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा रमेश चक्रधारी विरुद्ध छत्तीसगढ़ शासन प्रकरण में पारित आदेश तथा शासन के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित की गई।

पहले उपचार, फिर नियमानुसार कथन- पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने स्पष्ट किया कि गंभीर रूप से घायल या पीड़ित व्यक्ति के मामले में सबसे पहली प्राथमिकता उसका उपचार होना चाहिए। मृत्युकालीन कथन दर्ज करने में ऐसी कोई प्रक्रिया उपचार में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कथन की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए यथासंभव ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

उन्होंने बताया कि मृत्युकालीन कथन न्यायालय में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। इसलिए इसे बिना किसी दबाव, बहकावे या पक्षपात के निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दर्ज करना आवश्यक है। कथन की सत्यता और विश्वसनीयता न्यायिक प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

SOP के हर नियम का करना होगा पालन- बैठक में अधिकारियों को बताया गया कि मृत्युकालीन कथन दर्ज करने की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी या चिकित्सक संबंधित क्षेत्रीय मजिस्ट्रेट को तत्काल सूचित करेंगे। हालांकि, पीड़ित की हालत अत्यंत नाजुक होने पर मजिस्ट्रेट की प्रतीक्षा में देरी किए बिना चिकित्सक या पुलिस अधिकारी द्वारा भी नियमानुसार कथन दर्ज किया जा सकता है।

कथन दर्ज करने से पहले और बाद में ड्यूटी डॉक्टर से पीड़ित की मानसिक स्थिति का लिखित प्रमाणपत्र लेने, कथन के दौरान रिश्तेदारों, परिचितों एवं पुलिसकर्मियों को कक्ष से बाहर रखने तथा किसी भी तरह के दबाव की संभावना को दूर करने संबंधी निर्देश दिए गए। कथन को प्रश्न-उत्तर के रूप में पीड़ित के सटीक शब्दों और उसकी अपनी भाषा-बोली में दर्ज किया जाएगा। यदि पीड़ित बोलने में असमर्थ है, तो उसके इशारों के माध्यम से व्यक्त बातों को भी नियमानुसार दर्ज किया जाएगा। कथन पूरा होने पर उसे पीड़ित को पढ़कर सुनाने के बाद उसके हस्ताक्षर अथवा अंगूठे का निशान लिया जाएगा। कथन दर्ज करने वाले अधिकारी एवं चिकित्सक तिथि और समय सहित अपने हस्ताक्षर करेंगे।

निष्पक्ष प्रक्रिया से न्याय सुनिश्चित करने पर जोर- पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित अधिकारियों को मानक संचालन प्रक्रिया का अक्षरशः पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मृत्युकालीन कथन दर्ज करने में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन बेहद आवश्यक है, ताकि पीड़ित के बयान की विश्वसनीयता बनी रहे और न्यायिक प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए।बैठक का मुख्य उद्देश्य मृत्युकालीन कथन दर्ज करने की प्रक्रिया में एकरूपता सुनिश्चित करना, संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करना और पीड़ित को समय पर उपचार के साथ न्याय दिलाने की व्यवस्था को मजबूत करना रहा।

BTI संस्थापक प्रो. चंद्रशेखर पाणिग्रही से मिले छोटे देवड़ा के सरपंच, शिक्षा सुधार पर हुई चर्चा



आदिवासी बच्चों को मातृभाषा और संस्कृति से जोड़कर शिक्षा देने पर जोर, निःशुल्क कोचिंग पहल की सराहना

भुजबल बघेल बकावंड जनता के गोठ। विकासखंड जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा के सरपंच श्री संतोष कुमार कश्यप ने 16 अक्टूबर को बस्तर ट्राइबल इनिशिएटिव (क्ष्ल्ह्ढ्ढ) के संस्थापक प्रो. चंद्रशेखर पाणिग्रही से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान छोटे देवड़ा सहित पूरे बकावंड विकासखंड में शिक्षा का स्तर बेहतर बनाने और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान प्रो. पाणिग्रही ने आदिवासी अंचलों में बच्चों को उनकी मातृभाषा, स्थानीय संस्कृति और परिवेश से जोड़कर शिक्षा देने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बच्चों की भाषा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखकर शिक्षण पद्धति अपनाने से पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि बढ़ाने और स्कूल छोड़ने की दर कम करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने क्ष्ल्ह्ढ्ढ के शैक्षिक मॉडल की जानकारी भी साझा की। इस अवसर पर सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में बच्चों के लिए शुरू की गई निःशुल्क कोचिंग कक्षाओं के बारे में जानकारी दी। इस पहल की प्रो. पाणिग्रही ने सराहना की और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग का आश्वासन दिया। सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने कहा कि प्रो. पाणिग्रही से मुलाकात के दौरान शिक्षा को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां मिलीं। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों की प्रतिभा को निखारना और उन्हें हुनरमंद बनाना भी इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि मुलाकात से प्राप्त जानकारी को गांव के बच्चों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बकावंड विकासखंड में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रतिबद्धता जताई।

सड़क पर अतिक्रमण से लेकर नशे के अवैध कारोबार तक, कलेक्टर चंदन त्रिपाठी सख्त!

टी-जंक्शनों पर स्पीड ब्रेकर, ओवरस्पीड वाहनों पर कार्रवाई और मेडिकल स्टोर्स की जांच के निर्देश

बलरामपुर (जनता के गोठ) : जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने और नशे के अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं नार्को समन्वय केंद्र (एनकोर्ड) की बैठक लेकर संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा के उपायों में लापरवाही न हो और नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्लैक स्पॉट और टी-जंक्शनों पर सुरक्षा के निर्देश

सड़क सुरक्षा की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने राष्ट्रीय एवं राजकीय मार्गों से जुड़ने वाले टी-जंक्शनों पर स्पीड ब्रेकर लगाने और स्वीकृत कार्यों को जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। बरियों में टी-जंक्शन निर्माण तथा तातापानी में राष्ट्रीय राजमार्ग का बीटी कार्य पूरा होने के बाद टी-जंक्शन बनाने की कार्यवाही पर जोर दिया गया।

कलेक्टर ने कहा कि दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सड़कों पर रिफ्लेक्टर और सांकेतिक बोर्ड लगाए जाएं। मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाने तथा आवारा और घुमंतू पशुओं को सड़क से दूर रखने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए, ताकि वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी न हो और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो।



ओवरस्पीड और ओवरलोड वाहनों पर होगी कार्रवाई

सड़क पर नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों के खिलाफ भी प्रशासन ने सख्ती के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ओवरस्पीड और ओवरलोड वाहनों पर नियंत्रण रखने के साथ प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल करने तथा बीमा, फिटनेस और परमिट के बिना संचालित वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा।

मेडिकल स्टोर्स पर प्रशासन की नजर

एनकोर्ड की बैठक में नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए मेडिकल स्टोर्स की निगरानी और जांच को महत्वपूर्ण बताया गया। कलेक्टर ने सीएमएचओ को निर्देश दिए कि जिन मेडिकल स्टोर्स में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं, उन्हें नोटिस जारी किया जाए। निर्धारित समय में निर्देशों का पालन नहीं करने पर नियमानुसार दुकान सील करने या लाइसेंस अस्थायी रूप से निलंबित करने की कार्रवाई की जाए।

इसके साथ ही मेडिकल स्टोर्स में कार्यरत कर्मचारियों का चरित्र सत्यापन और पुलिस वेरिफिकेशन कराने तथा कोटपा एक्ट के तहत पान, किराना एवं अन्य संबंधित दुकानों पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

गांजा-अफीम की अवैध खेती पर संयुक्त निगरानी

छिपकर गांजा और अफीम की खेती किए जाने की आशंका को देखते हुए कलेक्टर ने कृषि, वन, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर विशेष सर्वेक्षण एवं औचक निरीक्षण करने पर जोर दिया। खास तौर पर बाड़ी और अन्य संभावित स्थानों की निगरानी कर अवैध खेती के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

नशामुक्ति अभियान से लोगों को जोड़ने की पहल

कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के उप संचालक को जिले में नशामुक्ति अभियान चलाने के निर्देश दिए। पीएम जनमन योजना के तहत चिन्हित गांवों में नुक्कड़ नाटक और अन्य जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने को कहा गया।

मनोज बाजपेयी की फिल्म का ट्रेलर रिलीज



भारतीय सिनेमा में जब भी मनोज बाजपेयी और फिल्ममेकर नीरज पांडे की जोड़ी एक साथ आती है, तो दर्शकों को एक अलग ही स्तर का थ्रिलर और थ्रिल देखने को मिलता है। 'स्पेशल 26' और 'अय्यारी' जैसी शानदार फिल्मों के बाद यह जोड़ी एक बार फिर से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के माध्यम से अपने फैंस के बीच लौटने के लिए तैयार है। हालांकि, इस बार उनका यह प्रोजेक्ट सिनेमाई कहानी से ज्यादा अपने नाम को लेकर उपजे कानूनी और धार्मिक विवाद के कारण चर्चा में रहा। अब निर्माताओं ने तमाम विवादों को पीछे छोड़ते हुए अपनी इस बहुप्रतीक्षित फिल्म 'घूसखोर पंडत' का नाम बदल दिया है। फिल्म का नया नाम 'गजब रात' होगा। इसके इसका आधिकारिक ट्रेलर और रिलीज डेट भी जारी कर दी गई है। इस प्रोजेक्ट की घोषणा सबसे पहले इसी साल फरवरी महीने में 'घूसखोर पंडत' नाम से की गई थी। फिल्म का नाम सामने आते ही सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर इसका तीखा विरोध शुरू हो गया। कई सामाजिक संगठनों और लोगों ने आरोप लगाया कि यह शीर्षक एक विशिष्ट समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करता है और उनके प्रति समाज में गलत धारणा प्रस्तुत करता है। मामला बढ़ा और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। बढ़ते जनाक्रोश और अदालत की टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए फिल्म के निर्माता नीरज पांडे ने एक बड़ा कदम उठाया।

रजनीकांत का स्वैग बरकरार

'जेलर' का चार्टबस्टर गाना 'हुकुम' रजनीकांत के लार्जर-दैन-लाइफ ऑरा, उनके स्वैग और स्टाइल पर फिट बैठता है। सुपरस्टार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह बड़े पर्दे पर क्यों राज करते हैं। उन्होंने दमदार एक्शन, ह्यूमर और मास अपील का एक मनोरंजक मिक्स पेश किया है। किसी हिट फिल्म का सीक्वल बनाना आसान नहीं होता, खासकर तब जब पहली फिल्म इतनी शानदार हो कि उसकी कहानी सालों तक याद रहे। हालांकि, डायरेक्टर नेल्सन दिलीपकुमार ने 'जेलर 2' के साथ यह रिस्क उठाया और काफी हद तक अपनी पिछली फिल्म का जादू फिर से बनाने में सफल रहे।

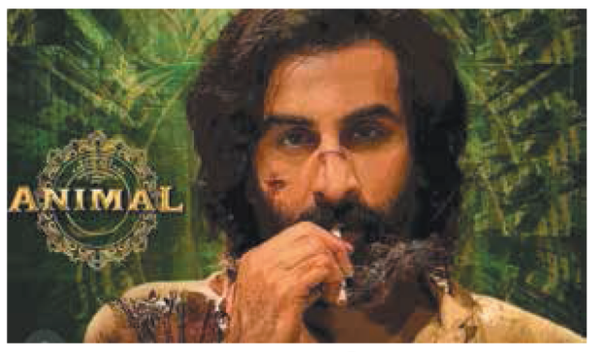


फिल्म में मेगास्टार रजनीकांत की सिग्नेचर स्टाइल, मजेदार ह्यूमर और लार्जर-दैन-लाइफ मोमेंट्स को आगे बढ़ाया गया है, जिसने पहली किस्त को हिट बनाया था। साथ ही कहानी में नए ट्विस्ट और रोमांचक सरप्राइज भी जोड़े गए हैं। रजनीकांत की 'जेलर 2' 15 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। सीक्वल में 2023 की ब्लॉकबस्टर के कई जाने-पहचाने चेहरों की वापसी हुई है। साथ ही नए किरदार भी हैं, जो कहानी में नयापन लाते हैं। रजनीकांत की जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस, हाई-एनर्जी एक्शन सीक्वेंस, दमदार डायलॉग्स, कैची म्यूजिक और सरप्राइज कैमियो के साथ यह फिल्म एक मास एंटरटेनर फिल्म है।

जेलर 2 की कहानी

'परिवार के लिए त्याग भी कर सकता हूं और उनके लिए गला भी काट सकता हूं।' ये धांसू डायलॉग फिल्म के अंत में है, जो पूरी कहानी का मतलब एक लाइन में समझा देता है। 'जेलर 2' वहीं से शुरू होती है, जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी। टाइगर मुथुवेल पांडियन (रजनीकांत) और उनका परिवार अभी भी अपने बेटे अर्जुन (वसंत रवि) को खोने के सदमे से उबर रहे हैं, लेकिन मूर्तियों की तस्करी करने वाले सिंडिकेट का भंडाफोड़ करने में टाइगर का शामिल होना उसे एक और खतरनाक खेल में खींच लेता है। वर्मन (विनायकन) का दोस्त दिलीप (सूरज वेंजरामूडू) वर्मन की मौत के लिए जिम्मेदार आदमी को ढूंढ रहा है, एक निशान जो उसे टाइगर तक ले जाता है और पुराने जेलर के परिवार को सिंडिकेट के निशाने पर और खींच लेता है।

अपने परिवार पर खतरे के साथ टाइगर हाई अलर्ट पर रहता है। इस बार उसका सामना बोधि कल्पक (एसजे सूर्या), कांथा कल्पक (विद्या बालन) और उनके पिता कल्पक (मिथुन चक्रवर्ती) के लीडरशिप वाले एक खतरनाक सिंडिकेट से होता है। जैसे ही टाइगर अपने परिवार को बचाने और नेटवर्क को खत्म करने की कोशिश करता है।



'एनिमल' की राह पर चले रणबीर कपूर!

बॉलीवुड के गलियारों में इन दिनों रणबीर कपूर की 'रामायण' को लेकर जबरदस्त चर्चा बनी हुई है। यह इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। फिल्म से जुड़े नए-नए अपडेट्स फैंस की एक्साइटमेंट को लगातार बढ़ा रहे हैं। साल 2023 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' के बाद से रणबीर की पर्दे पर कोई नई फिल्म रिलीज नहीं हुई है। 'एनिमल' ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की थी। और दुनिया भर में 900 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था। अब रणबीर कपूर एक बार फिर उसी राह पर चल पड़े हैं और लंबे रनटाइम वाली फिल्म अपने फैन्स के लिए ला रहे हैं। जी हां, 'रामायण' का रनटाइम भी 3 घंटे से ज्यादा का होने वाला है।

दरअसल दीवाली पर रिलीज होने वाली 'रामायण' के लिए अब तीन हफ्ते बचे हैं। जैसे-जैसे दिन बीत रहे हैं, लोगों का एक्साइटमेंट लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं, फिल्म मेकर्स इसे लेकर लगातार काम कर रहे हैं। इसी बीच पता लगा कि USA में सेंसर का प्रोसेस पूरा हो चुका है। मोशन पिक्चर एसोसिएशन ने 'रामायण' को PG-13 रेटिंग दी है। यह रेटिंग भारत में मिलने वाली U/A रेटिंग जैसी ही है, जिसका मतलब है कि इसमें कुछ ऐसी चीजें हो सकती हैं जो 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए ठीक न हों।

क्यों दी गई है 'रामायण' को ये रेटिंग्स?

मोशन पिक्चर एसोसिएशन की वेबसाइट से जानकारी मिली है कि 'रामायण' को PG-13 रेटिंग दी गई है। फिल्म यह रेटिंग इसलिए दी गई है, क्योंकि इसमें 'काफी हिंसा और एक्शन के सीन्स हैं। वहीं, कुछ ऐसे सीन्स भी हैं जिनमें खून-खराबा दिखाया गया है। इसके साथ ही 'रामायण' को इंटरनेशनल लेवल पर मंजूरी मिल गई है। और फिल्म का रनटाइम 3 घंटे से ज्यादा है। हालांकि IMAX की वेबसाइट के मुताबिक, फिल्म का रनटाइम 3 घंटे 15 मिनट है। हालांकि, ट्रेड सूत्रों के मुताबिक, 'रामायण' का इंग्लिश वर्जन थोड़ा छोटा, यानी लगभग 2 घंटे 45 मिनट का हो सकता है।अब फिल्म को इंटरनेशनल लेवल पर जनता के लिए कितने देर का रखा गया है, इसे लेकर जल्द ही सबकुछ क्लियर कर लिया जाएगा। दरअसल यह कोई पहली बार नहीं है, जब रणबीर कपूर की फिल्म का रनटाइम 3 घंटे से ज्यादा है। 'एनिमल' के बाद, यह उनके करियर की दूसरी ऐसी फिल्म है जिसका रनटाइम 3 घंटे से ज्यादा है।

4000 करोड़ के बजट में बन रही रामायण

फिल्म प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने 'रामायण' के बजट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। वीएफएक्स, ग्रैंड सेट और इंटरनेशनल लेवल के प्रोडक्शन को देखते हुए इस फिल्म का कुल बजट 4000 करोड़ से ज्यादा बताया जा रहा है। जो भारतीय सिनेमा के इतिहास में इसे सबसे महंगी फिल्मों में से एक बनाता है। रणबीर कपूर फिल्म में भगवान राम बन रहे हैं। वहीं, साई पल्लवी को माता सीता के किरदार में दिखाया जाएगा।



'कॉफी विद करण' में दिखी सलमान खान और करिश्मा कपूर की जोड़ी

बॉलीवुड के सबसे पॉपुलर चैट शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' की शुरुआत हो चुकी है. शो के पहले ही एपिसोड ने आते ही सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया. क्योंकि करण जौहर के इस फेमस काउच पर 90 के दशक की ब्लॉकबस्टर जोड़ी पहुंची थी. एक तरफ सलमान खान और उनके साथ करिश्मा कपूर. दोनों ने शो में अपनी पुरानी फिल्मों और शूटिंग के दिनों के कई मजेदार किस्से शेयर किए.सलमान खान और करिश्मा कपूर की जोड़ी को पहली बार साल 1992 में आई फिल्म 'निश्चय' में साथ देखा गया था.

हालांकि इस फिल्म में उनके साथ विनोद खन्ना लीड रोल में थे. इसके बाद इस जोड़ी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा, और एक के बाद एक कई बड़ी फिल्मों में काम किया.90 के दशक में सलमान और करिश्मा की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था. दोनों ने कई सुपरहिट और कल्ट क्लासिक फिल्में दी हैं, जिनमें- डबल रोल वाली 'जुड़वा' शामिल है, यह कॉमेडी फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. इसके अलावा 'जीत', 'दुल्हन हम ले जाएंगे', 'चल मेरे भाई', 'बीवी नंबर 1' समेत कई फिल्मों में दिखे थे.फिल्म इंडस्ट्री में दशकों तक राज करने वाले इन दोनों एक्टर्स की कुल संपत्ति करोड़ों में है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान की कुल नेटवर्थ लगभग 2900 से 3000 करोड़ के आसपास है. फिल्मों की फीस के अलावा प्रोडक्शन हाउस, ब्रांड एंडोर्समेंट और बिजनेस वेंचर्स से भी करोड़ों की कमाई करते हैं.

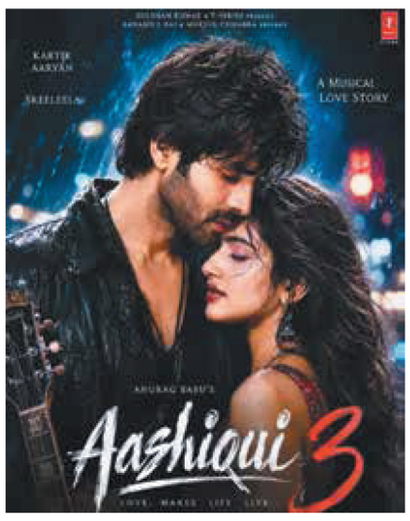
करीना कपूर के रॉयल रेड लुक ने मचाई सनसनी



बॉलीवुड की फैशन आइकॉन करीना कपूर खान हमेशा अपने स्टाइल स्टेटमेंट से फैंस का दिल जीत लेती हैं। हाल ही में करीना ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ नई और बेहद दिलकश तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर आते ही सनसनी मचा दी है। ट्रेडिशनल परिधान में भी अपने हुस्न और ग्लैमर का तड़का कैसे लगाया जाता है, यह करीना कपूर से बेहतर कोई नहीं जानता। लाल रंग के एथनिक सूट में करीना का यह रॉयल और बोल्ड अंदाज़ फैंस को दीवाना बना रहा है। तस्वीरों में करीना कपूर बेहद खूबसूरत लाल रंग के बांधनी प्रिंटेड सूट सेट में नज़र आ रही हैं। यह आउटफिट मशहूर फैशन डिज़ाइनर अर्पिता मेहता के कलेक्शन से है। रीना का लॉन्ग कुर्ता पारंपरिक बांधनी पैटर्न से सजा हुआ है, जिसके नेकलाइन पर गोटा पत्ती और बारीक मिरर वर्क का खूबसूरत काम किया गया है। फुल-स्लीव्स के बॉर्डर और कलाई पर भी हैवी ज़री और शीशे का वर्क बेहद शानदार लग रहा है। आउटफिट के साथ करीना ने मैचिंग का जॉर्जेट बांधनी दुपट्टा कैरी किया है। दुपट्टे के किनारों पर की गई गोटा-पत्ती और लटकन वाली बॉर्डर वर्क इस एथनिक लुक को और भी ज़्यादा रीगल और हैवी एथनिक वाइब दे रही है। तस्वीरों की सबसे बड़ी खासियत करीना कपूर के पोज़ देने का अंदाज़ है। कैमरे के सामने अपने फ्लॉलेस साइड प्रोफाइल को फ्लॉन्ट करते हुए बेबो ने एक से बढ़कर एक सिड्यूसिंग और इंटेंस पोज दिए हैं।

कार्तिक आर्यन की फिल्म के रिलीज डेट का ऐलान

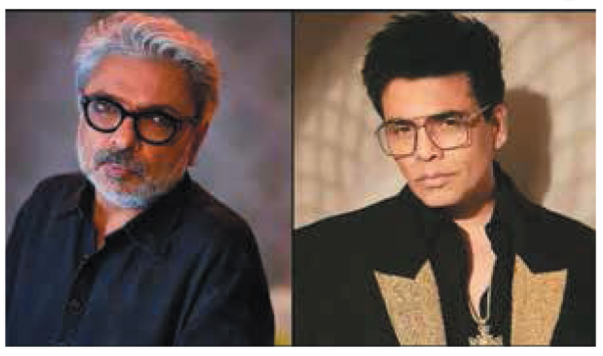
फरवरी 2025 में टी-सीरीज ने कार्तिक आर्यन और श्रीलीला के साथ एक रोमांटिक-म्यूजिकल फिल्म का ऐलान किया था, जिसके डायरेक्टर अनुराग बसु हैं. जब फिल्म का पहला टीजर आया था, तो ऐसी चर्चा शुरू हो गई थी कि ये फिल्म 'आशिकी 3' हो सकती है. हालांकि, बाद में क्लियर हो गया कि ये 'आशिकी 3' नहीं बल्कि एक अलग फिल्म है. अब मेकर्स ने उस अनटाइटल फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है.कार्तिक आर्यन और श्रीलीला की अनटाइटल रोमांटिक-म्यूजिकल फिल्म अगले साल 30 अप्रैल को थिएटर्स में रिलीज होगी. मेकर्स ने 15 अक्टूबर को एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए रिलीज डेट का ऐलान किया है।



मेकर्स ने लिखा, "एक नई कहानी, जो आपके दिल में बस जाएगी, बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। इसमें कार्तिक आर्यन और श्रीलीला नजर आएंगे। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी ये अनटाइटल्ड फिल्म है। इसे भूषण कुमार ने प्रोड्यूस किया है। 30 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।"

जब फिल्म की घोषणा हुई थी, उसके बाद ये पिक्चर काफी चर्चा में रही थी। पहले मेकर्स ने इसे दिवाली 2025 पर ही रिलीज करने का फैसला किया था, लेकिन फिल्म उस समय रिलीज नहीं हो पाई थी। मेकर्स की तरफ से पिक्चर को पोस्टपोन कर दिया गया था। बीच में फिल्म को लेकर कोई नहीं जानकारी सामने नहीं आ रही थी, लेकिन अब मेकर्स ने नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। बता दें कि आधिकारिक तौर पर अभी भले ही टाइटल अनाउंस नहीं हुआ है, लेकिन रिपोर्ट्स के हवाले से ऐसी भी खबर आई थी कि इस फिल्म का नाम 'तू मेरी जिंदगी है' हो सकता है। जो अनाउंसमेंट टीजर वीडियो सामने आया था, उस वीडियो में भी कार्तिक 'तू मेरी जिंदगी' गाने पर ही परफॉर्म करते दिखे थे। अब देखना होगा कि मेकर्स कब तक टाइटल अनाउंस करते हैं।

करण जौहर ने माना संजय लीला भंसाली को खुद से बेहतर



संजय लीला भंसाली की फिल्ममेकिंग लंबे समय से भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में प्रशंसा का विषय रही है। उनकी शानदार विजन, कहानी कहने का अनोखा अंदाज और भव्य सिनेमाई दुनिया उन्हें अपने समकालीन फिल्ममेकर्स के बीच एक खास पहचान दिलाती है। इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे और फिल्ममेकर भी उनके काम के प्रति सम्मान जाहिर कर चुके हैं। कॉफी विद करण से लेकर सलमान खान के साथ हुई बातचीत तक, कई मौकों पर भंसाली के नाम का जिक्र देखने को मिला है, जो भारतीय सिनेमा में उनके प्रभाव को दर्शाता है। राज कपूर, के. आसिफ और गुरु दत्त जैसे दिग्गज फिल्ममेकर्स की परंपरा में गिने जाने वाले संजय लीला भंसाली ने भारतीय सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

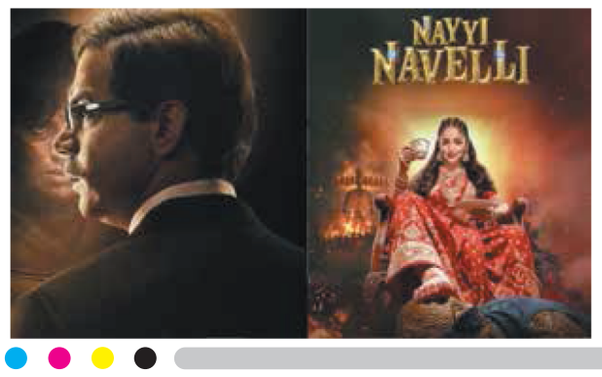
उनकी फिल्मों में भारतीय संस्कृति, भावनाओं और कहानियों को भव्यता के साथ पेश किया जाता है। उन्होंने अपनी सिनेमाई शैली के जरिए भारतीय कहानियों को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई है। यही वजह है कि आज भी उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे प्रभावशाली और प्रतिभाशाली फिल्ममेकर्स में गिना जाता है। फी विद करण के रैपिड-फायर राउंड के दौरान करिश्मा कपूर ने करण जौहर से एक दिलचस्प सवाल पूछा। उन्होंने करण से पूछा, "एक ऐसे निर्देशक का नाम बताइए, जो क्राफ्ट और एक्जीक्यूशन के मामले में आपसे कहीं ज्यादा मजबूत है?" इस सवाल के जवाब में करण जौहर ने बिना किसी हिचकिचाहट के संजय लीला भंसाली का नाम लिया। करण का यह जवाब खास रहा, क्योंकि यह एक सफल फिल्ममेकर द्वारा दूसरे फिल्ममेकर की प्रतिभा और काम के प्रति खुले तौर पर सम्मान जाहिर करने का उदाहरण था।

'नई नवेली' या 'प्रहार', एडवांस बुकिंग में कौन आगे?

बॉक्स ऑफिस पर इस शुक्रवार यानी 16 अक्टूबर को दो फिल्मों के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। यामी गौतम की 'नई नवेली' और राजकुमार राव की 'प्रहार : द उज्ज्वल निकम स्टोरी' एक ही दिन सिनेमाघरों में रिलीज हो रही हैं। दुर्गा पूजा और दशहरे की छुट्टियों से पहले रिलीज हो रही इन फिल्मों से मेकर्स को अच्छी कमाई की उम्मीद है। हालांकि रिलीज से पहले एडवांस बुकिंग के आंकड़ों ने शुरुआती मुकाबले की तस्वीर सामने रख दी है। ट्रेड ट्रैकर के मुताबिक टिकटों की एडवांस बुकिंग में यामी गौतम की फिल्म राजकुमार राव की 'प्रहार' से आगे चल रही है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि रिलीज के बाद दर्शकों का रुझान किस फिल्म की ओर ज्यादा रहता है।

आंकड़ों के अनुसार 15 अक्टूबर को दोपहर 2:20 बजे तक यामी गौतम की 'नई नवेली' ने भारत में एडवांस बुकिंग से करीब 4.86 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन दर्ज किया। ब्लॉक की गई सीटों को हटाने के बाद फिल्म की एडवांस बुकिंग से कमाई लगभग 1.82 करोड़ रुपये बताई गई है। वहीं राजकुमार राव की 'प्रहार: द उज्ज्वल निकम स्टोरी' इस मुकाबले में दूसरे स्थान पर रही। फिल्म ने एडवांस बुकिंग से करीब 3.08 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया, जबकि ब्लॉक सीटों को हटाने के बाद यह आंकड़ा लगभग 1.13 करोड़ रुपये रहा। सैक्निल्क के मुताबिक गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे तक फिल्म के देशभर में 99496 टिकट बिक चुके थे। इन शुरुआती आंकड़ों के आधार पर 'नई नवेली' एडवांस बुकिंग की दौड़ में आगे है।

हालांकि, इन आंकड़ों से अंतिम बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। रिलीज के बाद दर्शकों की प्रतिक्रिया और सिनेमाघरों में मिलने वाली ऑक्यूपेंसी दोनों फिल्मों की कमाई की दिशा तय कर सकती हैं।



PM मोदी को गाली देने वालों पर भड़के अनुपम खेर, बोले- मैं चुप नहीं रहूंगा

बॉलीवुड अभिनेता अनूपम खेर ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना, प्रधानमंत्री से सवाल पूछना और उनके फैसलों से असहमति जताना हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर अभद्र भाषा और हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता। मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के आरोपों को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता ने प्रदर्शनकारियों से सबूत पेश करने की अपील की। अमेरिका और कनाडा के दौरे पर अपने नाटक 'जाने पहचाने अनजाने' का मंचन कर रहे अनूपम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि आलोचना के डर से वह चुप नहीं रहना चाहते। अनूपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि लोकतंत्र में विरोध करने वालों के साथ-साथ सरकार का समर्थन करने वाले लोगों के विचारों का भी सम्मान होना चाहिए। उनके मुताबिक, यदि कुछ लोग किसी प्रदर्शन के पक्ष में खुलकर अपनी बात रख सकते हैं तो अलग राय रखने वालों को भी ऐसा करने का अधिकार है। अभिनेता ने कहा कि दूसरों के बीच लोकप्रिय बने रहने से ज्यादा जरूरी अपनी अंतरात्मा के प्रति ईमानदार होना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना करने या उनके फैसलों पर सवाल उठाने से उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन असहमति जताने के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना उचित नहीं है।

नाना पाटेकर को अकेला छोड़ने के दावों पर बेटे ने तोड़ी चुप्पी



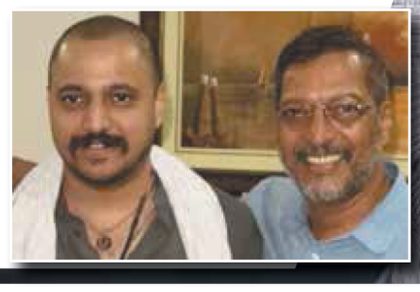
बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। 8 अक्टूबर को गोवा में कार्डियक अरेस्ट के कारण 75 वर्ष की उम्र में अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनके निधन के बाद परिवार, प्रशंसक और फिल्म जगत की कई हस्तियां उन्हें याद कर रही हैं। अब नाना पाटेकर के बेटे मल्हार पाटेकर ने पिता के आखिरी पलों को याद किया है। उन्होंने बताया कि पिता के निधन की खबर मिलने के बाद उनकी दुनिया जैसे थम गई थी। इस मुश्किल समय में माता-पिता से मिली मजबूती और परिवार का प्यार उन्हें संभलने की ताकत दे रहा है। मल्हार ने उन खबरों पर भी नाराजगी जताई, जिनमें परिवार के रिश्तों को लेकर गलत धारणाएं बनाई जा रही हैं।

माता-पिता से मिली मजबूती, परिवार के रिश्तों पर कही ये बात

हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में मल्हार पाटेकर ने बताया कि बचपन से ही उन्हें अपने माता-पिता से मजबूती और मुश्किल परिस्थितियों का सामना करने की सीख मिली है। उनके मुताबिक बाहरी दुनिया उनके परिवार के बारे में क्या सोचती है, इससे उन्हें ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। उनके लिए परिवार के सदस्यों के बीच भावनात्मक जुड़ाव और प्यार मायने रखता है। मल्हार ने कहा कि उन्हें हमेशा परिवार के लोगों, चाचा और चचेरे भाई-बहनों का प्यार मिला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर परिवार की तस्वीरें साझा नहीं करने को रिश्तों में दूरी का संकेत मानने वाली सोच पर भी सवाल उठाया। उनके मुताबिक इंस्टाग्राम पर पारिवारिक तस्वीरें पोस्ट न करने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि परिवार के लोग एक-दूसरे के करीब नहीं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके माता-पिता के बीच करीब 38-39 साल का रिश्ता रहा और अलग होने के बाद भी दोनों के संबंध अच्छे थे। मल्हार का कहना है कि किसी परिवार की वास्तविक परिस्थितियां बाहर से दिखाई देने वाली तस्वीरों से अलग हो सकती हैं। इसलिए सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली बातों के आधार पर रिश्तों को लेकर निष्कर्ष निकालना सही नहीं है।

'पिता कभी अकेले नहीं थे, हम हमेशा उनके साथ रहते थे'

नाना पाटेकर की सेहत और उनके आखिरी दिनों को लेकर मल्हार ने बताया कि अभिनेता परिवार के बीच ही रहते थे और ऐसा कभी नहीं हुआ कि उन्हें अकेला छोड़ दिया गया हो। उन्होंने कहा कि परिवार का कोई न कोई सदस्य हमेशा उनके साथ मौजूद रहता था। मल्हार के मुताबिक, उनके पिता काफी फिट थे और नियमित रूप से व्यायाम करते थे। उन्होंने बताया कि नाना पाटेकर जिम में करीब ढाई घंटे तक कसरत करते थे। मल्हार के अनुसार, उनकी फिटनेस का स्तर ऐसा था, जिसे देखकर युवा भी हैरान रह जाएं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके पिता सक्रिय जीवन जीते थे और परिवार ने हमेशा उनका ख्याल रखा। मल्हार ने उन खबरों पर भी प्रतिक्रिया दी, जिनमें नाना पाटेकर के अकेले होने या अस्वस्थ रहने की बातें सामने आई थीं। उन्होंने कहा कि उनके पिता कभी अकेले नहीं थे और परिवार के लोग लगातार उनकी देखभाल करते थे।



गुरुकुल महिला महाविद्यालय में कलश एवं थाली सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन

रायपुर/जनता के गोठ। गुरुकुल महिला महाविद्यालय, कालीबाड़ी रोड, रायपुर में छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा, कलात्मक कौशल एवं सांस्कृतिक अभिरुचि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कलश एवं थाली सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की लगभग 35 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी कल्पनाशीलता, कलात्मक दक्षता और सृजनात्मक सोच का परिचय दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में भारतीय कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि विकसित करना, उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा उनमें आत्मविश्वास एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना था।

कलश एवं थाली भारतीय संस्कृति और परंपरा के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। शुभ एवं मांगलिक अवसरों पर इनका विशेष महत्व होता है। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने विभिन्न रंगों, सजावटी सामग्रियों एवं आकर्षक डिजाइनों का प्रयोग करते हुए कलश एवं थालियों को सुंदर रूप प्रदान किया। प्रतिभागियों की कलात्मक प्रस्तुति एवं सजावट की मौलिकता विशेष आकर्षण का केंद्र रही।



प्रतियोगिता के परिणाम

1. कलश सज्जा प्रतियोगिता

- प्रथम स्थानः स्वयं प्रभा साहू बी एस सी 3 सेमेस्टर
- द्वितीय स्थानः नैना यादव - बीएससी 1 सेमेस्टर
- तृतीय स्थानः खुशबु फूटन - बी एस एस 5 th सेमेस्टर

2. थाली सज्जा प्रतियोगिता

- प्रथम स्थानः पायल साहू बी एस एस 3 ed सेमेस्टर
- द्वितीय स्थानः सुमन यादव बी एस सी 5th सेमेस्टर
- तृतीय स्थानः सेजल देवांगन बी एस एस 5 th सेमेस्टर

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सांध्य गुप्ता ने इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियों को छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रतिभा को निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने तथा उनकी कलात्मक अभिरुचि को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

प्रतियोगिता की प्रभारी डॉ. वंदना अग्रवाल एवं डॉ. रात्रि लहरी रहीं। उन्होंने आयोजन के माध्यम से छात्राओं को का अवसर प्रदान किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. देवश्री वर्मा एवं डॉ. टीनू दुबे ने निभाई। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की कलाकृतियों का मौलिकता, सजावट, रंग संयोजन, सौंदर्यबोध एवं प्रस्तुतिकरण के आधार पर मूल्यांकन किया।

प्रतियोगिता में छात्राओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने आयोजन को रचनात्मक एवं आकर्षक बनाया। इस गतिविधि के माध्यम से छात्राओं को अपनी कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को समझने और उनसे जुड़ने का अवसर मिला।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सांध्य गुप्ता के मार्गदर्शन तथा प्रतियोगिता प्रभारियों एवं निर्णायकों के सहयोग से यह आयोजन छात्राओं की रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति शीघ्र करे शासन : छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ

रायपुर/जनता के गोठ। छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष का पद रिक्त रहने के कारण पदोन्नति एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रकरणों के निराकरण में हो रहे विलंब पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव से अध्यक्ष की नियुक्ति शीघ्र किए जाने की मांग की है। संघ के प्रांताध्यक्ष कमल वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थान है। आयोग के माध्यम से विभिन्न शासकीय सेवाओं में भर्ती, चयन एवं नियमानुसार पदोन्नति से संबंधित महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का संपादन किया जाता है। ऐसे महत्वपूर्ण संस्थान में अध्यक्ष का पद रिक्त रहने से आयोग के कार्यों के नियमित एवं प्रभावी संचालन तथा विभिन्न महत्वपूर्ण प्रकरणों के निराकरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि पदोन्नति से संबंधित प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब होने से पात्र अधिकारियों के सेवागत हित प्रभावित होते हैं। समय पर पदोन्नति नहीं मिलने से अधिकारियों को उनके सेवाकालीन एवं आर्थिक लाभ प्राप्त करने में भी विलंब हो सकता है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों में उच्च पदों पर रिक्तियों के कारण प्रशासनिक कार्यों की दक्षता भी प्रभावित हो सकती है। कमल वर्मा ने कहा कि लोक सेवा आयोग जैसे महत्वपूर्ण संस्थान का सुचारु संचालन सुनिश्चित करना शासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। अध्यक्ष की नियुक्ति में विलंब के कारण लंबित प्रकरणों का निराकरण प्रभावित नहीं होना चाहिए। राज्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सेवागत हितों तथा प्रशासनिक व्यवस्था की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर शीघ्र निर्णय लिया जाना आवश्यक है। छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ ने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव से मांग की है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा पदोन्नति सहित अन्य महत्वपूर्ण लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

छत्तीसगढ़ी भाषा में कक्षा 1 से 12 वी तक पढ़ाई लिखाई और एम ए छत्तीसगढ़ी डिग्री धारी को रोजगार को लेकर खुशवंत साहेब से मिला प्रतिनिधि मण्डल

रायपुर/जनता के गोठ। 15 अक्टूबर को एम ए छत्तीसगढ़ी भाषा डिग्री धारी छात्र छात्राओं की एक प्रतिनि मंडल ने तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से उनके नवा रायपुर स्थित निवास मुलाकात कर अपनी बात रखी जिसमे छत्तीसगढ़ी भाषा में शिक्षा और रोजगार को लेकर चर्चा हुई और मांग की गई कि राज्य के सभी स्कूलों में पहली से 12 वी छत्तीसगढ़ी भाषा को पढ़ाई जाए इस पर मंत्री खुशवंत साहेब ने आश्वस्त किया है कि जल्द ही प्रतिनिधि मण्डल को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से समय लेकर मुलाकात कराई जाएगी साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 को पूर्ण रूप से लागू करवाने की मांग पर भी मुख्यमंत्री जी से व्यक्तिगत चर्चा करेंगे द्य छात्र संगठन के प्रमुख जीतेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि कि 8 वी अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में से 8 भाषाओं की लिपि देवनागरी है छत्तीसगढ़ी भाषा की लिपि भी देवनागरी है, तो इसमें लिपि की



कही कोई दिक्कत नहीं है, रही बात व्याकरण की तो वर्ष 1885 में हीरालाल काव्योपाध्याय द्वार व्याकरण लिखा गया है जिसे जार्ज ग्रियर्सन द्वारा स्वीकार किया गया है साथ ही नई शिक्षा नीति में अपनी मातृ भाषा में शिक्षा प्रदान करना अनिवार्य किया गया है फिर भी छत्तीसगढ़ी भाषा को नजर अंदाज किया जा रहा है इस पर मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति में यह स्पष्ट प्रावधान है कि राज्य की राज भाषा, स्थानीय भाषा में शिक्षा प्रदान करना है जिसके लिए 8 वी अनुसूची कोई बाधा उत्पन्न नहीं करता है साथ ही कहा कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा हमारी पहचान है, बाबा गुरु घासीदास जी ने छत्तीसगढ़ी में कहा है ÷मनखे मनखे एक समान÷ छत्तीसगढ़ी भाषा 2008 से राजभाषा बन चुका है, और नई शिक्षा नीति भी स्थानीय भाषा में शिक्षा का समर्थन करता है इन सभी बातों को माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ प्रतिनिधि मण्डल की मुलाकात में रखी जाएगी और छत्तीसगढ़ी भाषा को पढ़ाई लिखाई के साथ रोजगार से भी जोड़ने के लिए भी माननीय मुख्यमंत्री जी से चर्चा करने का आश्वासन दिया गया द्य इस प्रतिनिधि मण्डल में छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष रामेंद्र नाथ मिश्रा, राज आंदोलन से जुड़े उदय भान सिंह चौहान, रमा जोशी, प्रभा जोशी, रेखा जोशी, रामेश्वर शर्मा, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी मुरली मनोहर खंडेलवाल, छत्तीसगढ़ी भाषा छात्र संगठन के प्रमुख जीतेन्द्र कुमार साहू, खिलेश्वर चंद्रवंशी, प्रवीण , राजेंद्र आदित्य, देवेंद्र ,उद्योरम साहू, सहित बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ी प्रेमी उपस्थित रहे ।

पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से राजस्व कामकाज ठप, धान रकबा सुधार सहित कई कार्य अटके



13 अक्टूबर से तहसील स्तर पर धरने पर पटवारी, चार सूत्रीय मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई; किसानों की बढ़ी परेशानी

रोहित यादव / बलरामपुर (जनता के गोठ) : बलरामपुर जिले में राजस्व पटवारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल लगातार जारी है। वेतन विसंगति दूर करने, पदोन्नति सहित चार सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारी 13 अक्टूबर से तहसील स्तर पर हड़ताल कर रहे हैं। पटवारियों के आंदोलन के चलते जिले में राजस्व संबंधी कामकाज प्रभावित होने लगा है। वहीं, किसानों के धान रकबा सुधार सहित कई महत्वपूर्ण कार्य अटकने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चार सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन

राजस्व पटवारी संघ अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलनरत है। इनमें वेतन विसंगति दूर करना, पदोन्नति, पीवी एप का बहिष्कार सहित चार सूत्रीय मांगें शामिल हैं। मांगों के पूरा होने तक पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे हुए हैं। जिलेभर में तहसील स्तर पर जारी इस आंदोलन से राजस्व विभाग के कामकाज पर असर पड़ रहा है।

धान रकबा सुधार सहित राजस्व कार्य प्रभावित

पटवारियों की हड़ताल का असर किसानों से जुड़े कार्यों पर भी दिखाई देने लगा है। धान खरीदी की तैयारी के बीच किसानों के धान रकबा सुधार सहित राजस्व से संबंधित कई कार्य लंबित होने की स्थिति बन गई है। ऐसे में समय पर काम पूरा नहीं होने की चिंता किसानों को परेशान कर सकती है। इसके अलावा राजस्व विभाग से जुड़े अन्य कार्यों के लिए भी लोगों को इंतजार करना पड़ रहा है।

समाधान की राह देख रहे किसान और आम नागरिक

एक ओर पटवारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल जारी रखे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर राजस्व कार्य प्रभावित होने से आम नागरिकों और किसानों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका है। अब देखना होगा कि प्रशासन और पटवारी संघ के बीच मांगों को लेकर कब तक सहमति बनती है और जिले में राजस्व सेवाएं कब सामान्य हो पाती हैं।

कालिदास महाविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का भव्य स्वागत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

रोहित यादव / प्रतापपुर (जनता के गोठ) : शासकीय कालिदास महाविद्यालय, प्रतापपुर में बी.ए. एवं बी.कॉम. प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत में भव्य फ्रेशर समारोह का आयोजन किया गया। उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंगों से सजे इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सरगुजा अंचल की समृद्ध लोककला एवं सांस्कृतिक विरासत की झलक ने समारोह को विशेष आकर्षण प्रदान किया।



कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी कला और रचनात्मकता का परिचय दिया। आयोजन का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराना, आपसी मेल-जोल बढ़ाना तथा उनमें आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करना रहा।

लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत से आगे बढ़ें विद्यार्थी : प्राचार्य

महाविद्यालय के प्राचार्य रजनीश प्रसाद सिंह ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा, अनुशासन और जीवन में लक्ष्य निर्धारण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को पूरी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लक्ष्य प्राप्ति तक निरंतर प्रयास जरूरी : एलिन एक्का

महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक एलिन एक्का ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाला प्रत्येक विद्यार्थी अपने भविष्य को संवारने और एक लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद लेकर आता है। ऐसे में सभी विद्यार्थियों को मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करनी चाहिए तथा लक्ष्य प्राप्त होने तक निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

फ्रेशर समारोह ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, वरिष्ठ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से जुड़ने और महाविद्यालय के वातावरण को समझने का अवसर प्रदान किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी क्षेत्रीय कला और परंपराओं से जुड़ने का भी अवसर मिला। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य आर.पी. सिंह, सहायक प्राध्यापक गोपेश्वर साय, एलिन एक्का, कुसुम लता भगत सहित महाविद्यालय के अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

धान खरीदी की तैयारियों में तेजी, पात्र किसानों के पंजीयन पर जोर

धमतरी/जनता के गोठ। आगामी धान खरीदी सीजन को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में समिति प्रबंधकों और संबंधित अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इसमें किसान पंजीयन, फसल पट्टा, डूबान क्षेत्र में खेती, खरीदी केंद्रों की व्यवस्था और डिजिटल सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा की गई।

कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि धान खरीदी किसानों की मेहनत और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण व्यवस्था है। इसलिए पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्धता और किसानों की सुविधा को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाएं। बैठक में अब तक पंजीयन नहीं करा सके पात्र किसानों की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने ऐसे किसानों की पहचान कर उनका शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पात्र किसान धान बेचने के लाभ से वंचित न रहे। भूमि संबंधी अभिलेखों, फसल पट्टों और डूबान क्षेत्र में खेती से जुड़े मामलों की नियमानुसार जांच करने पर भी जोर दिया गया। किसानों को टोकन प्राप्त करने में सुविधा देने के लिए संचालित 'तुंहर टोकन' मोबाइल अनुप्रयोग के संबंध में भी जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि यह अनुप्रयोग आगामी 31 जनवरी तक उपलब्ध रहेगा। कलेक्टर ने किसानों को इसके उपयोग की जानकारी देने और टोकन प्राप्त करने की प्रक्रिया सरल बनाने के निर्देश दिए। साथ ही 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों के लिए अधिकतम तीन टोकन जारी करने की व्यवस्था की जानकारी भी साझा की गई।

बतकम्मा पर्व में शामिल हुए विधायक विक्रम मंडावी, पोषणपल्ली में महिलाओं से की मुलाकात



पारंपरिक गीतों और नृत्य से हुआ स्वागत, विधायक ने माताओं-बहनों को दी पर्व की शुभकामनाएं

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ जगदलपुर। बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने ग्राम पोषणपल्ली पहुंचकर बतुकम्मा पर्व के अवसर पर माताओं-बहनों से भेंट-मुलाकात की और उन्हें पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान गांव में उत्साह और पारंपरिक संस्कृति की झलक देखने को मिली। गांव की महिलाओं द्वारा बतुकम्मा पर्व के लिए फूलों से तैयार की गई सुंदर सजावट की विधायक मंडावी ने सराहना की। उन्होंने कहा कि बतुकम्मा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान, नारी शक्ति और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। यह पर्व तेलंगाना सहित बस्तर के कुछ क्षेत्रों में भी सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया जाता है।



इस अवसर पर गांव की महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक गीतों पर नृत्य कर विधायक का स्वागत किया। विधायक ने महिलाओं से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा उनके सुख-दुख साझा किए। उन्होंने क्षेत्र में सुख, शांति और खुशहाली की कामना भी की। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि पारंपरिक त्योहार समाज को आपस में जोड़ने और सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजन स्थानीय परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, युवतियां और कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बतकम्मा पर्व के अवसर पर आयोजित इस भेंट-मुलाकात में महिलाओं की भागीदारी और पारंपरिक सांस्कृतिक गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com